

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 01 जनवरी 2026 वर्ष-8, अंक-305 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1



अंग्रेजी नववर्ष का भारतीयकरण

अंग्रेजी या ईसाई नववर्ष दुनिया के उन देशों में मनाया जाता है जिन पर कमी अंग्रेजों ने राज किया था। हर देश अपने इतिहास और मान्यताओं के अनुसार नव वर्ष मनाता है। भारत में प्रायः सभी संवत्सर चैत्रा शुल प्रतिपदा से प्रारम्भ होते हैं पर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमरीका और ब्रिटेन का वर्चस्व दुनिया में बढ़ गया। इन दोनों के ईसाई देश होने से कई अन्य देशों में भी ईसाई वेशभूषा, खानपान, भाषा और परंपराओं की नकल होने लगी। भारत भी इसका अपवाद नहीं है।

एक बार फिर एक जनवरी आएगी। हर बार की तरह समाचार माध्यमों ने वातावरण बनाना प्रारंभ कर दिया है। 31 दिसंबर की रात और एक जनवरी को दिन भर शोर-शराबा होगा। लोगों ने एक दूसरे को बधाई लेंगे और देगे। सरल मोबाइल संदेशों (एसएमएस) के आदान-प्रदान से मोबाइल कंपनियों की चांदी कटेंगे। रात में बारह बजे लोग शोर मचाएंगे। शराब, शराब और कवाब के दौर चलेंगे। इसके अतिरिक्त और भी न जाने लोग कैसी-कैसी मूर्खताएं करेंगे जरा सोचिये, नये दिन और वर्ष का प्रारंभ रात के अंधेरे में हो, इससे बड़ी मूर्खता और क्या हो सकती है।

यह बात आज तक समझ में नहीं आई कि यदि ईसा मसीह का जन्म 25 दिसंबर को हुआ था तो जिस वर्ष और ईसवी को उनके जन्म से जोड़ा जाता है, उसे एक सप्ताह बाद एक जनवरी से क्यों मनाया जाता है। वस्तुतः ईसा का जन्म 25 दिसंबर को नहीं हुआ था। चौथी शती में पोप लाइबेरियस ने इसकी तिथि 25 दिसंबर घोषित कर दी, तब से इसे मनाया जाने लगा। तथ्य तो यह भी है कि ईसा मसीह के जीवन के साथ जो प्रसंग जुड़े हैं, वे बहुत पहले से ही योरोप के अनेक देशों में प्रचलित थे। उन्हें ही ईसा के साथ जोड़कर एक कहानी गढ़ दी गयी। इससे इस संदेह की पुष्टि होती है कि ईसा नामक कोई व्यक्ति हुआ ही नहीं शरना है वह कैसे संभव है कि जिस तथ्यांकित ईश्वर के बेटे के दुनिया में अरबों लोग अनुयायी हैं, उसकी ठीक जन्म-तिथि ही पता न हो। जैसे भारत में 'जय संतोषी मां' नामक फिल्म ने कई वर्षों के लिए एक नयी देवी को हथ्यातिष्ठित कर दिया था। कुछ ऐसी ही कहानी ईसा मसीह की भी है

इसके दूसरी ओर भारत में देखें तो लाखों साल पूर्व हुए श्रीराम और 5,000 से भी अधिक वर्ष पूर्व हुए श्रीकृष्ण ही नहीं तो अन्य सब अवतारों, देवी-देवताओं और महामानवों के जन्म की प्रामाणिक तिथियां सब जानते हैं और उन्हें हर वर्ष धूमधाम से मनाते भी हैं। लेकिन फिर भी नव वर्ष के रूप में एक जनवरी प्रतिष्ठित हो गयी है, लोग इसे मनाते भी हैं, इसलिए मेरा विचार है कि हमें इस अंग्रेजी पर्व का भारतीयकरण कर देना चाहिए। इसके लिए भविष्य में निम्न कुछ प्रयोग किये जा सकते हैं। एक जनवरी को अपने गांव या मोहल्ले में भगवती जागरण करें। अपने घर, मोहल्ले या मंदिर में श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ्यक्रम प्रारंभ करें। एक जनवरी को प्रातः सामूहिक यज्ञ का आयोजन हो। एक जनवरी को भजन गाते हुए प्रभातफेरी निकालें। सिख, जैन, बौद्ध आदि मत और पंथों की मान्यता के अनुसार कोई धार्मिक कार्यक्रम करें। एक जनवरी को प्रातः बस और रेलवे स्टेशन पर जाकर लोगों के माथे पर तिलक लगाएं। एक जनवरी को निर्धनों को भोजन कराएं। बच्चों के साथ कुछ आश्रम, गोशाला या मंदिर में जाकर दान-पुण्य करें। ये कुछ सुझाव हैं। यदि इस दिशा में सोचाना प्रारंभ करेंगे तो कुछ अन्य प्रयोग और कार्यक्रम भी ध्यान में आएंगे। हिन्दू पर्व मानव के मन में सात्विकता जगाते हैं चाहे वे रात में हों या दिन में जबकि अंग्रेजी पर्व नशे और विदेशी संगीत में डुबोकर चरित्रहीनता और अपराध की दिशा में ढकेलते हैं। इसलिए जिन मानसिक गुणों को इस अंग्रेजी और ईसाई नववर्ष को मनाने की मजबूरी हो, वे इसका भारतीयकरण कर मनाएं।

एक जनवरी को भजन गाते हुए प्रभातफेरी निकालें। सिख, जैन, बौद्ध आदि मत और पंथों की मान्यता के अनुसार कोई धार्मिक कार्यक्रम करें। एक जनवरी को प्रातः बस और रेलवे स्टेशन पर जाकर लोगों के माथे पर तिलक लगाएं। एक जनवरी को निर्धनों को भोजन कराएं। बच्चों के साथ कुछ आश्रम, गोशाला या मंदिर में जाकर दान-पुण्य करें। ये कुछ सुझाव हैं। यदि इस दिशा में सोचाना प्रारंभ करेंगे तो कुछ अन्य प्रयोग और कार्यक्रम भी ध्यान में आएंगे। हिन्दू पर्व मानव के मन में सात्विकता जगाते हैं चाहे वे रात में हों या दिन में जबकि अंग्रेजी पर्व नशे और विदेशी संगीत में डुबोकर चरित्रहीनता और अपराध की दिशा में ढकेलते हैं। इसलिए जिन मानसिक गुणों को इस अंग्रेजी और ईसाई नववर्ष को मनाने की मजबूरी हो, वे इसका भारतीयकरण कर मनाएं।



नव वर्ष 2026

विश्वभर में नया साल मनाने का तरीका भी अलग-अलग है। सभी धर्मों में नया साल एक उत्सव की तरह अलग-अलग अंदाज में अलग-अलग परंपराओं के साथ मनाया जाता है। दुनिया में सबसे अधिक देशों में ईसाई नव वर्ष मनाए जाने की परंपरा है। ईसाई वर्ष 1 जनवरी से शुरू होकर 31 दिसंबर तक 12 महीनों में बंटा हुआ है। खास बात यह है कि मले ही दुनिया के सभी धर्मों के रीति-रिवाज अलग-अलग हैं लेकिन 1 जनवरी को सभी देशों में नए साल की धूम रहती है। विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाजी करते हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष का स्वागत किया जाता है।

क्या है न्यू ईयर की कहानी?

हजारों साल पहले प्राचीन बेबीलोन में न्यू ईयर की शुरुआत हुई थी। परन्तु उस समय नव वर्ष का यह उत्सव 21 मार्च को मनाया जाता था जो कि वसंत के आगमन की तिथि थी, जो हिन्दुओं का नववर्ष है। ग्यारह दिनों तक चलने वाले पर्व के रूप में यह वसंत ऋतु के पहले दिन से शुरू होता था। इसीलिए सितंबर सातवां, अक्टूबर आठवां, नवंबर नौवां और दिसंबर दसवां महीना माना जाता था, जैसा कि इनके नामों से स्पष्ट होता है। यह गणना रोमन कैलेंडर के अनुसार किया जाता था जो सातवीं शताब्दी बीसी से शुरू हुआ और यह चन्द्रमा के चक्र के मुताबिक था। रोमन कैलेंडर अटकलबाजी के बलबूते बनाया गया था। जो 1 मार्च से शुरू होता था, तब एक साल में 304 दिन और कुल 10 महीने हुआ करते थे। मार्च से लेकर दिसंबर तक, इन महीनों के नाम इस तरह थे मर्सिस, अप्रिलिस, मेयास, जूनियस, कुइन्तिलिस, सेक्सतिलिस, सेप्टेम्बर, ओक्टोबर, नोवेम्बर, और डिसेम्बर, लेकिन सन 1570 के आसपास पोप ग्रेगरी XIII ने क्रिस्टोफर क्लेवियस को एक नया कैलेंडर बनाने का जिम्मा सौंपा। इस तरह सन 1582 में ग्रेगोरियन कैलेंडर अस्तित्व में आया। तब से पूरी दुनिया में नए साल का उत्सव बदस्तूर 1 जनवरी को मनाया जाता है।

न्यू ईयर पर अमेरिका की बॉल ड्रॉपिंग परंपरा

वैसे तो विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाजी करते हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष का स्वागत किया जाता है परन्तु अमेरिका में यह उत्सव अलग तरीके से मनाया जाता है। यहाँ का 'बॉल ड्रॉपिंग' दुनिया का सबसे मशहूर बॉल ड्रॉपिंग कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क शहर के टाइम्स स्क्वायर पर न्यू ईयरस ईव की मध्यरात्रि को होता है। इससे पहले डाउनटाउन मैनहट्टन के ट्रिनिटी चर्च के घंटे को सुनने का जिम्मा रात में लोग जमा होते थे। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने सन 1904 में जन मानस को आकर्षित करने के लिए न्यूयॉर्क टाइम्स की इमारत पर जोरदार आतिशबाजी की। इससे लोग आकर्षित तो हुए लेकिन पटाखों के कारण सड़कों पर गरम राख और पटाखों के टुकड़ों की बरसात हुई जो कि हानिकारक होने के साथ कचरा जमा होने का भी कारण बना इन्हीं वजहों से न्यूयॉर्क पुलिस ने वहां आतिशबाजी करने के कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगा दिया। तब न्यूयॉर्क टाइम्स के मालिक एडोल्फ ऑस ने अपने चीफ इलेक्ट्रिशियन वॉल्टर पाल्मर को नया रास्ता निकालने के लिए कहा। पाल्मर के डिजाइन के आधार पर ऑस ने आर्टक्राट स्ट्रॉस साइन कंपनी को लगभग 318 किलो की लोहे व लकड़ी से निर्मित और 25 वाट के 100 बल्बों से जड़ित बॉल बनाने की जिम्मेदारी दी। इस बॉल को पहली बार इलेक्ट्रिसिटी का उपयोग कर सन 1908 के बॉल ड्रॉपिंग में प्रयोग किया गया।

भारतीय नव वर्ष

ग्रेगोरियन कैलेंडर का अनुसरण वैसे तो पूरी दुनिया में हो रहा है लेकिन विभिन्न देशों में वहां की संस्कृति के अनुसार भी नया साल मनाने की परंपरा है। भारत में तो विभिन्न धर्म व संप्रदाय एक साथ रहते हैं। इन धर्म व संप्रदायों के कैलेंडर भी अलग-अलग हैं अतः इनके नव वर्ष की तिथियां भी अलग-अलग होती हैं। हिन्दू नववर्ष की बात करें तो यह चैत्र माह की शुल प्रतिपदा तिथि से आरंभ होता है जो कि अंग्रेजी कैलेंडर वर्ष के अनुसार मार्च-अप्रैल माह में पड़ता है।

लीजिये, हंसता और मुक्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखरता, निराशा को भगाता और आशा को बढ़ोता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पत्तों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुकहसत होकर सुगंध बांट रहे हैं। मला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति, सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं, पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सुष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

दोस्तों, हर देश व संस्कृति में अलग अलग तरीके में नया वर्ष मनाये जाने की परम्परा पहले से ही चली आ रही है। लोग अलग अलग तरीके से इस आयोजन को मानते हैं, जैसे कोई दारु पीता है तो कोई पार्टी करता है, कही लोगो व्यर्थ में बैठे रहते है तो कोई मजे के नाम पर समय व पैसो की बर्बादी करता है। लेकिन कुछ लोग खुद में सुधार के लिए अच्छा काम भी करते है लेकिन समय बीतने के साथ ही वह अपने संकल्पों को जान-बूझकर तोड़ देते है और पुराने दरें पर ही वापस आ जाते है। एक साल में ही 'दाक के तीन पात' वाली स्थिति नजर आने लगती है। वैसे भी किसी नयी शुरुआत के लिए नये साल या किसी मुहूर्त की प्रतीक्षा ही क्यों करना ? इस बार हम नये साल क्या हर साल व हर क्षण को सार्थक करने के कुछ सरल तरीके बता रहे हैं जिसमे आपको अपने अंदर कुछ ज्यादा बदलाव करने की जरूरत नहीं है बल्कि आपको इन्हें तुरंत ही तन-मन-धन से भी अधिक ध्यान से अपनाने की जरूरत होगी।

अपनी कमाई और खर्चों का लेखा-जोखा रखें -

दोस्तों, इस नव वर्ष में आपको सबसे पहले अपने खर्च व होने वाली कमाई का एक लेखा जोखा जरूर रखना चाहिए। एक ऐसा लेखा जोखा बनायें जिसमें हर दिन के हिसाब से अपने प्रत्येक छोटे-से-छोटे खर्च का भी उल्लेख करें किन्तु ध्यान रखें कि किसी को बुरा न लगे या किसी पर किया गया खर्च 'अहसान जताने' जैसा न हो, हो सके तो ऐसा लगे भी ना ! आप अपना लेखा जोखा शुरू करोगे तो आपको अपने व्यर्थ खर्चों को धृष्टदृष्ट्य कर सकोगे साथ ही साथ इससे आपको विलासादि जैसे व्यर्थ खर्च न्यूनतम करते हुए शून्य करने व अच्छे काम में किये गये खर्चों को बढ़ाने में सहायता होगी।

ब्रह्ममुहूर्त में उठने की आदत बनायें -

दोस्तों, हमारे लिए सुबह उठना काफी फायदेमंद होता है और इससे हमारी बॉडी तरोताजा रहती है। सुबह जल्दी उठने से हमारे पास एक्टिव टाइम भी होता है। इसलिए सुबह सूर्य की पहली किरण पहुँचने से पहले उठकर स्नान करने की आदत एक बार बना ली तो यह बात गॉट बॉथ लीजिए कि आप अपनी पुराणी स्थिति की अपेक्षा अधिक सहज रहेंगे। आपका समय-प्रबन्धन अब कुछ ठीक प्रकार से हो जायेगा व आप दिन-रात ताम-झाम में डूबी रहने वाली व टाइम नहीं है जैसी समस्याओं से दूर हो जाओगे। अब आपके पास समय ही समय होगा और अपने दिन भर के काम आप एक ही दिन में पूरे करने लगेगे।

अपनी डायरी मैपटन करें -

टी.वी. के सामने व्यर्थ बैठे रहने, शराब, धूम्रपान करने में जो आपने अपना नुकसान किया उसकी सारी विवरण, कार्य व समय इत्यादि के अनुसार प्रतिदिन इस प्रकार लिखें कि जिस दिन आप उस निरर्थकता से बचे तो आपको आनन्द आयेगा व संतोष का अनुभव होगा तथा गम्भीरता से पालन किया तो किसी दिन ऐसी स्थिति भी आ जायेगी कि आपको यह सब लिखने की जरूरत भी अनुभव नहीं होगी या आप पूरी तरह से सुधर चुके होंगे। जब भी कोई उल्लंघन करें तो अपने आप को कुछ सजा दें, जैसे कि अगले दिन चाय-काफी बिल्कुल न पीयें, कल साईकल ही चलायें, कल 10-10 मिनटस तक कम से कम तीन बार रस्सी कुँड़ें इत्यादि। गलती को दोहराने पर सजा की मात्रा व तीव्रता बढ़ा दें ताकि स्वयं को संदेह जाये कि अबकी बार



नववर्ष को जिन्दगी का सबसे बड़ा वर्ष कैसे बनाये ?

अधिक सावधानी बरतनी है, या दण्ड झेलना और कठिन हो जायेगा।

मिट्टी के दो कटोरे में डेली पानी भरे -

हाट जाकर देसी मिट्टी से बने दो सकोरे लायें जिन्हें प्रतिदिन धो-धोकर एक सकोरे में पेयजल भरें व दूसरे में मिश्रित देसी साबुत अनाज को मिकस करके रखे, स्थानीय किराना दुकान या अनाज-व्यवसायी से बोलें, समस्त देसी व साबुत अनाजों का एक मिश्रण तैयार कर दें। शहर हो या गाँव हर स्थिति-परिस्थिति में पक्षियों व गिलहरियों को स्वच्छ पेयजल व पौष्टिक व स्वादिष्ट शुद्ध भोजन की कमी की सतत पूर्ति का यह सबसे सरल उपाय है एवं हम सबके 'मनुष्य' होने को परिभाषित करता ईश्वरीय उतरदायित्व भी।

कील-तार-सीमेण्ट-क्रांक्रिट से करें मुक्त -

आपने देखा होगा की कई बार कई पेड़ - पौधे तार व अन्य चीजों से दब जाते है या उनके ऊपर किसी सामान का बोझ लदा रहता है जिस कारण वह पौधे या तो टूट जाते है या उनका विकास नहीं हो पाता, इसलिए हर दिन लेखा-जोखा रखें कि आज आसपास या आपके घर से दूर कितने पेड़ों से आपने कीलें निकालीं, उनसे तार हटाये, उनका दम घोंट रही क्रांक्रिट अथवा सीमेण्ट को दूर किया, इसके लिये अपने पास प्लायर, कैची, लौहे की छोटी-सी राड, खुरपी इत्यादि का एक पैकेट रखें जो अन्य कई कार्य भी आयेगा।

जीव-जन्तुओं की सेवा की साप्ताहिक रिपोर्ट कार्ड -

अपनी आँखों को खुला रखकर घर से बाहर निकलें, जहाँ भी कोई पशु-पक्षी घायल, भूखा-प्यासा या अन्य किसी भी प्रकार से रोगी व जरूरतमंद लगे तुरंत रुककर उसे सहायता पहुँचायें, आवश्यकता पड़ने पर खुद दाली या ऑटो की व्यवस्था कराकर उसे चिकित्सालय पहुँचायें, उसकी निगरानी करें व जरूरत पड़ने पर डाक्टर इत्यादि को बुलवाने का भी ख्याल रखें। वैसे भी ये कार्य करने में उलने कठिन नहीं होंगे परन्तु यदि पेंसो से जुड़ी जैसी कोई समस्या या अन्य कोई बात आड़े आये तो भी परिचितों व अपरिचितों से सहायता माँगने में संकोच न करें।

बीज व वृक्षारोपण करें -

अपने साथ यहाँ-वहाँ से इकट्ठे किये गये बीज (जैसे सीताफल, बकायन, आम, चीकू, जामुन, शीशम) रखें जिन्हें आप आते-जाते मार्ग में जहाँ-जहाँ या नम व कुछ सुरक्षित-सी लगने वाले भूमि में एक छोटी-सी लकड़ी से खोदकर गड़ते चले जिनमें से यदि 5 प्रतिशत भी पेड़ बने तो आपका समूचा प्रयास सफल ही कहा जायेगा, स्थानीय नर्सरी से कुछ ऐसे पेड़ खरीदे जो लोगों को बहुत भायेंगे, जैसे कि तेजपत्ता, दालचीनी, मीठी नीम, कपूर, गुग्गुलु, अमरुद, अनार, बेलपत्र, नारियल आदि, जहाँ-तहाँ पुछताछ जारी रखें व यदि कोई भूस्वामी, मकान-मालिक, मंदिर-पुजारी या दुकानदार अपने इलाके या अधिकार क्षेत्र में वह प्रजाति लगवाना चाहे तो वहाँ स्वयं अपने हाथों से लगाकर आयें व उसकी सुरक्षा व नियमित पानी देने का निवेदन भी करके आयें, आपके द्वारा की गयी यह पहल आपके पुण्य तो बढ़ायेगी ही, साथ में हरियाली बढ़ाने के साथ सौहार्द बढ़ाने में भी प्रमुख भूमिका निभायेगी, यदि वृक्ष सुरक्षा-कवच बनाना हो तो तीन-चार मजबूत डण्डे, बाँस, पुरानी पड़ी राडस गड़कर... टौंककर या गड्डे खोदकर व रस्सियों या बेर-बबूल के काँटों से आप बड़ी आसानी से यह भी कर सकते हैं।

बिना स्वाथं के कर्म करें -

स्वाथं या अपने कुल-कुटुम्ब के लिये तो कृता भी बहुत कुछ कर ही लेता है परन्तु निःस्वाथं भाव से या परायों के लिये, पेड़-पौधों व पशु-पक्षियों, अनाथों-बूढ़ों, अपरिचितों इत्यादि के लिये कुछ किया हो तो भगवान् को लगे कि आपको मानव जन्म प्रदान करना सार्थक हो रहा है, इस बात को समझने के लिए आप हमारा जीवन की सार्थकता के 41 मार्ग यह आर्टिकल जरूर पढ़ा जा सकता है। उपरोक्त सम्पूर्ण डाटाबेस हर दिन के आधार पर तैयार करना है, यह नहीं कि भूल गये या बाद में लिखेंगे। नया साल चाहे जब आये, आप तो अभी से आरम्भ करें, शुभस्थ शीघ्रम् ! श्रीगणेश करें...

वर्ष 2025 को अलविदा, नववर्ष 2026 का स्वागत

(लेखक - विनोद कुमार सिंह/ईएमएस)

काल का चक्र महाकाल के इशारे पर अपनी धुरी पर निरंतर - निर्विघ्न घुमता रहता है। समय का पहिया कभी नहीं रुकता। वह न किसी सत्ता या सरकार के आदेश का इंतजार करता है, न किसी विचारधारा की अनुमति लेता है। हर वर्ष की विदाई दरअसल हमारे अपने कर्मों, निर्णयों और चूकों की विदाई होती है। जब हम वर्ष 2025 को अलविदा कह रहे हैं, तो यह केवल कैलेंडर का पन्ना पलटना नहीं है, बल्कि एक ऐसे दौर को पीछे छोड़ना है जिसने हमें बार-बार आईना दिखाया—हमारी सामूहिक चेतना, हमारे लोकतंत्र, हमारी संवेदनशीलता और हमारे भविष्य की दिशा का।

काल का चक्र महाकाल के इशारे पर अपनी धुरी पर निरंतर - निर्विघ्न घुमता रहता है। समय का पहिया कभी नहीं रुकता। वह न किसी सत्ता या सरकार के आदेश का इंतजार करता है, न किसी विचारधारा की अनुमति लेता है। हर वर्ष की विदाई दरअसल हमारे अपने कर्मों, निर्णयों और चूकों की विदाई होती है। जब हम वर्ष 2025 को अलविदा कह रहे हैं, तो यह केवल कैलेंडर का पन्ना पलटना नहीं है, बल्कि एक ऐसे दौर को पीछे छोड़ना है जिसने हमें बार-बार सच्चाई का आईना दिखाया—हमारी सामूहिक चेतना, हमारे लोकतंत्र, हमारी संवेदनशीलता और हमारे भविष्य की दिशा का। एक बार फिर से वर्ष 2025 उम्मीदों और आशाओं के बीच झूलता रहा। यह वर्ष न पूरी तरह अंधकारमय था, न पूरी तरह उजालों से भरा रहा। यह वह समय था जब तकनीक ने अभूतपूर्व छलांग लगाई, लेकिन इंसानी रिश्तों में दूरी भी बढ़ी। यह वह साल था जब अर्थव्यवस्था के आँकड़े मजबूत दिखे, लेकिन आम आदमी की थाली, नौकरी और सुरक्षा पर सवाल उठते रहे। यह वह वर्ष भी था जब लोकतंत्र की संस्थाओं पर बहस तेज हुई और नागरिक अधिकारों को लेकर समाज दो स्पष्ट धाराओं में बँटा दिखा।

2025 ने हमें सिखाया कि विकास केवल सड़क, पुल और इमारतों का नाम नहीं है। विकास का असली पैमाना यह है कि आखिरी पंक्ति में खड़ा व्यक्ति कितना सुरक्षित, सम्मानित और सुना हुआ महसूस करता है। इस वर्ष ने यह भी बताया कि राष्ट्रवाद का सबसे सशक्त रूप वह होता है, जिसमें सवाल पूछने की आजादी सुरक्षित हो और असहमति को देशद्रोह न समझा जाए।

राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो 2025 में राजनीति और जनभावना के बीच की खाई और स्पष्ट हुई। राजनीति

नेताओं ने अपने चुनावी भाषणों में जनता को सपने दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, उनके घोषणापत्रों में वादे थे, लेकिन जमीनी सच्चाइयों से उनका मेल हमेशा नहीं बैठ पाया। सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिकाओं पर जनता की निगाहें टिकी रहीं। संसद से लेकर सड़कों तक, बहसों गरम रहीं—कभी कानूनों को लेकर, कभी संस्थाओं की स्वायत्तता को लेकर, तो कभी अभिव्यक्ति की सीमाओं को लेकर।

लोकतंत्र का सौंदर्य यही है कि वह सवालों से जीवित रहता है। 2025 में सवाल पूछे गए—कभी दबे स्वर में, कभी तेज आवाज में। पत्रकारिता, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कही जाती है, उसने भी इस वर्ष अपनी कठिन परीक्षा दी। कहीं वह दबाव में दिखी, कहीं साहस के साथ खड़ी नजर आई। स्पष्ट और सत्ता के बीच की यह खींचतान 2025 की सबसे बड़ी पहचान बनकर उभरी। आर्थिक मोर्चे पर 2025 विरोधाभासों का वर्ष रहा। एक ओर स्टार्ट-अप, डिजिटल भुगतान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में तेज प्रगति दिखी। दूसरी ओर बेरोजगारी, महँगाई और असंगठित क्षेत्र की असुरक्षा ने लाखों परिवारों को चिंता में डाले रखा। शहरों की चमक और गाँवों की चुनौतियों के बीच की दूरी और गहरी होती प्रतीत हुई। यह बार-बार याद दिलाता रहा कि अगर विकास समावेशी नहीं है, तो वह स्थायी भी नहीं हो सकता।

शिक्षा और युवाओं के संदर्भ में 2025 एक निर्णायक मोड़ जैसा रहा। युवा ऊर्जा से भरपूर हैं, सपने देखते हैं, सवाल करते हैं। लेकिन उनके सामने अवसरों की अनिश्चितता, प्रतियोगिता का दबाव और मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियाँ भी हैं। इस वर्ष ने यह साफ़ किया कि केवल डिग्री बाँटना पर्याप्त नहीं, बल्कि कौशल, नैतिकता और रोजगार की ठोस व्यवस्था करना समय की माँग है। युवा अगर आश्रय नहीं होंगे, तो भविष्य भी अस्थिर रहेगा।

तकनीक के क्षेत्र में वर्ष 2025 ऐतिहासिक रहा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन और डेटा-आधारित निर्णयों ने जीवन को सुविधाजनक बनाया, लेकिन साथ ही निजता, रोजगार और मानवीय हस्तक्षेप पर नए सवाल खड़े किए। यह वर्ष हमें चेतावनी देकर गया कि तकनीक साधन है, साध्य नहीं। अगर तकनीक का संचालन मानवीय

मूल्यों के बिना हुआ, तो वह प्रगति नहीं, संकट बन सकती है। पर्यावरण के मोर्चे पर 2025 ने सबसे कड़ा संदेश दिया। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की सच्चाई बन चुका है। कहीं बाढ़, कहीं सूखा, कहीं भीषण गर्मी—प्रकृति ने साफ़ शब्दों में कहा कि उसका धैर्य टूट रहा है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन का सवाल अब टाला नहीं जा सकता। यह वर्ष हमें याद दिलाकर गया कि धरती केवल संसाधन नहीं, हमारी साझी विरासत है। अगर हम सामाजिक ताने-बाने की बात करें तो 2025 में सहिष्णुता की परीक्षा हुई। विविधता हमारे समाज की ताकत रही है, लेकिन इसे कमजोरी समझने की प्रवृत्ति भी दिखी। धर्म, जाति, भाषा और विचार के नाम पर खिंची लकीरें कहीं-कहीं और गहरी हुईं। फिर भी इसी समाज में ऐसे स्वर भी उभरे जिन्होंने संवाद, समरसता और मानवीय मूल्यों की बात की। यही विरोधाभास 2025 की आत्मा रहा।

अब जब नववर्ष 2026 की दहलीज पर खड़े हैं, तो सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, बल्कि यह है कि हम नए साल को क्या देंगे। क्या हम पुराने पूर्वाग्रहों को भी साथ लेकर जाएंगे, या उन्हें यहीं छोड़ देंगे? क्या हम केवल शिकायतों की सूची बढ़ाएंगे, या समाधान का हिस्सा बनेंगे?

2026 का स्वागत केवल आतिशबाजी और शुभकामनाओं से नहीं होना चाहिए, बल्कि संकल्पों से होना चाहिए। संकल्प—एक अधिक संवेदनशील समाज का, एक अधिक जवाबदेह शासन का, एक अधिक ईमानदार सार्वजनिक जीवन का। हमें यह स्वीकार करना होगा कि बदलाव किसी एक सरकार, संस्था या व्यक्ति से नहीं आता; वह सामूहिक चेतना से जन्म लेता है। नववर्ष 2026 हमें यह अवसर देता है कि हम संवाद को टकराव से ऊपर रखें। असहमति को शत्रुता न बनें। सवाल पूछने को अपराध नहीं, बल्कि जिम्मेदारी समझें। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब नागरिक जागरूक, निष्पक्ष और संवेदनशील होंगे।

आर्थिक रूप से 2026 से अपेक्षा है कि विकास के लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचें। रोजगार सृजन केवल आँकड़ों में नहीं, जमीन पर दिखे। किसान, श्रमिक, छोटे व्यापारी और मध्यम वर्ग—सभी को भरोसा मिले कि वे विकास की यात्रा के सहभागी हैं, दर्शक नहीं।

पर्यावरण के संदर्भ में 2026 को चेतना का वर्ष बनना होगा। यह समझ विकसित करनी होगी कि प्रकृति के साथ युद्ध नहीं, सहअस्तित्व ही एकमात्र रास्ता है। नदियाँ, पहाड़, जंगल—ये केवल भौगोलिक संरचनाएँ नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की साँसें हैं। युवाओं के लिए 2026 आशा का वर्ष बन सकता है, बशर्ते उन्हें अवसर, मार्गदर्शन और विश्वास मिले। उनकी ऊर्जा को नकारात्मक दिशाओं में भटकने से रोकना समाज और शासन दोनों की जिम्मेदारी है। युवा अगर राष्ट्र निर्माण में सहभागी होंगे, तो भविष्य स्वतः सुरक्षित होगा। अंततः वर्ष 2025 को अलविदा कहना केवल बीते समय को विदा करना नहीं है, बल्कि उसकी सीख को साथ लेना है। गलतियों से सीखकर आगे बढ़ना ही समय की सबसे बड़ी समझदारी है। नववर्ष 2026 हमारे सामने एक खुली किताब की तरह है—इसके पन्नों पर क्या लिखा जाएगा, वह हमारे आज के निर्णय तय करेंगे। आइए, इस नववर्ष 2026 पर यह संकल्प लें कि हम सभी अधिक संवेदनशील, अधिक जिम्मेदार और अधिक ईमानदार मानव बनेंगे। क्योंकि जब समाज बेहतर बनता है, तभी वर्ष भी वास्तव में नया होता है। वर्ष 2025 को विनम्र विदाई के संग नववर्ष 2026 का स्वागत—उम्मीद, विवेक और विश्वास के साथ करें। हमारी हार्दिक शुभकामनाएँ स्वीकार करें। नव वर्ष मंगलमय हो (स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तित्व विचार हैं। इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।)



तैयार हैं हम संकल्प और उमंग के साथ ?

(विरलेषण साल 2026) (लेखक - प्रभुनाथ शुक्ल)

संपादकीय

सुनहरी फसल

एक समय था जब पंजाब के ग्रामीण अंचलों में खिले हुए सरसों के खेत मौसमी बयार में बदलाव के प्रतीक हुआ करते थे। तमाम सांस्कृतिक प्रतिमानों में पीले सरसों के खेतों को मौसम के गौरव के रूप में चित्रित किया जाता रहा है। लेकिन वह की विडंबना है कि यह अब यह सुनहरी फसल सिमटती नजर आ रही है। जिसके परिणाम स्वरूप आज देश में हम खाद्य तेलों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि भारत लगातार आयातित खाद्य तेलों पर अत्यधिक निर्भर होता जा रहा है। निश्चय ही यह स्थिति व्यवस्था के कई विरोधाभासों को भी उजागर कर रही है। यह तथ्य चौंकता है कि पंजाब में सरसों के उत्पादन में इसलिए गिरावट नहीं आ रही है कि फसल उत्पादन क्षमता में किसी तरह की कोई कमी आई है। बल्कि यह स्थिति इसलिए है कि सरकारों की नीतियाँ प्रोत्साहन देने वाली साबित नहीं हो रही हैं। वहीं बाजार के रुझान इसे आर्थिक रूप से किसानों के हितों के प्रतिकूल बना रहे हैं। कठने को तो अकसर दलील दी जाती है कि पंजाब के किसानों से जुड़े संकटों का समाधान फसलों के विविधीकरण में निहित है। लेकिन विडंबना यह है कि विविधीकरण के दावों के बावजूद, सरसों के उत्पादक किसान प्रोत्साहन न मिल पाने से निराश हैं। दरअसल, किसान कम और अनिश्चित मुनाफे के चलते सरसों की फसल उगाने से गुरेज करता है। उसके सामने बड़ी चुनौती यह भी है कि सरसों की फसल की सरकारी खरीद सीमित मात्रा में होती है। जिसके चलते किसानों को खुन-पसीने की उमंग को बेचने के लिये व्यापारियों के रहमोकरम पर निर्भर रहना पड़ता है। वे अपने मोटे मुनाफे के लिये किसान के हितों की अनदेखी करने से नहीं चूकते। यही वजह है कि गेहूँ और धान के विपरीत, जिनकी खरीद सुनिश्चित है और उनके लिये मजबूत विपणन णाली मौजूद है, सरसों की फसल किसानों को बाजार की अस्थिरता के प्रति संवेदनशील बना देती है। फलतः किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। दरअसल, इस संकट का दूसरा पहलू यह भी है कि पंजाब आज अपनी खाद्य तेल आवश्यकताओं का एक मामूली हिस्सा ही स्थानीय उत्पादन से पूरा करता है। इससे हमारी महर्गें आयात पर निर्भरता और भी बढ़ जाती है। तिलहन की खेती को बढ़ावा देना अवसर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सही मायनों में सरकारी तंत्र द्वारा सरसों की उपज को खरीद में सहायता और न्यायसंगत मूल्य दिलाने के वायदे खोखले साबित होने के कारण सरसों की पैदावार का रकबा बढ़ता नहीं है। जिस दिन किसानों को तंत्र की नीतियों पर भरोसा पैदा हो जाएगा, उस दिन निश्चय ही किसान प्रोत्साहन के चलते तर्कसंगत प्रतिक्रिया देंगे। निर्विवाद रूप से पंजाब की धरती में सरसों उत्पादन की स्थितियों से जुड़ी संभावनाएँ पर्याप्त हैं। यकीनी तौर पर यह धान की तुलना में कम पानी की खपत करती है। साथ ही भूजल संकट को कम करने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण से जुड़ी रणनीतियों में स्वाभाविक रूप से फिट बैठती है। लेकिन हमें इस हकीकत को स्वीकार करना चाहिए कि पंजाब में विविधीकरण के लक्ष्य केवल नैतिक प्रोत्साहन से हासिल नहीं किए जा सकते। निश्चित रूप से इसके लिए अनिवार्य शर्त है कि बाजार की संरचना में जरूरत के अनुरूप बदलाव प्राथमिकता के आधार पर किए जाएँ। सही मायनों में सरसों के लिये एमएसपी समर्थित खरीद और स्थानीय प्रसंस्करण, भंडारण और मूल्य स्थूलताओं में निवेश किसानों को सरसों की खेती अपनाने के लिये प्रोत्साहित कर सकता है। यही प्रयास पंजाब के खेतों में पीली आभा फिर से पैदा करने की दिशा में कारगर साबित होंगे।

नूतन साल केवल तारीख बदलने का नाम नहीं है। यह समय के कैलेंडर पर एक नई धारा जोड़ने से कहीं अधिक है। यह आत्मा के भीतर जमा धूल को झाड़ने, विचारों की दिशा सुधारने और जीवन को नई दिशा और अर्थ देने का अवसर है। हर वर्ष की तरह अलविदा होता साल 2025 और जिसके स्वागत के लिए हम बेताब हैं साल 2026 भी हमसे एक प्रश्न करता है, क्या हम सचमुच नए हो पाए, या सिर्फ पुराने ढर्रे को नई तारीख के साथ ढोते रहे। नया साल शोर, आतिशबाजी और सोशल मीडिया के शुभकामना संदेशों से आगे निकलने की माँग करता है। यह एक आधुनिक सोच चाहता है, जहाँ उत्सव के साथ उत्तरदायित्व, उमंग के साथ विवेक और संकल्प के साथ करुणा हो। उमंग और उत्साह बाहरी नहीं, भीतरी ऊर्जा होनी चाहिए। नूतन साल अवसर जोश और उमंग का प्रतीक माना जाता है। लोग कहते हैं इस साल कुछ बढ़ा करेंगे। पर आधुनिक सोच यह कहती है कि उमंग का स्रोत बाहर नहीं, भीतर होना चाहिए। क्षणिक उत्साह, जो कुछ दिनों में बुझ जाए, वह परिवर्तन नहीं ला सकता। सच्ची उमंग वह है जो कठिन परिस्थितियों में भी हमें आगे बढ़ने की शक्ति दे। उत्साह तब सार्थक होता है जब वह निरंतरता में बदल जाए, जब हर सुबह खुद से यह पूछा जाए कि आज मैं बीते कल से थोड़ा बेहतर कैसे बन सकता हूँ। संकल्प और विकल्प के साथ हमें तैयार होना होगा। नया साल संकल्पों का मौसम होता है। पर अधिकतर संकल्प शब्दों में ही रह जाते हैं। आधुनिक दृष्टि में संकल्प केवल इच्छा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। संकल्प तभी टिकता है जब हम विकल्पों को समझदारी से चुनते हैं। हर दिन हम छोटे-छोटे विकल्प चुनते हैं, सत्य या सुविधा, परिश्रम या बहाना, प्रेम या घृणा। यही विकल्प हमारे पुरे

वर्ष की दिशा तय करते हैं। नया साल यह सिखाता है कि बड़े बदलाव बड़े फैसलों से नहीं, बल्कि रोज़ लिए गए सही विकल्पों से आते हैं। प्रेम और सद्भाव की भावना हमें निजी दायरे से सामाजिक सरोकार तक रखनी चाहिए। आज का समय तेज़ है, प्रतिस्पर्धी है और अवसर संवेदनहीन भी। ऐसे में नया साल हमें प्रेम को नए अर्थ में समझने का अवसर देता है। प्रेम केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं होना चाहिए। सद्भाव का अर्थ असहमति के बावजूद सम्मान। अलग विचार रखने वाले से भी इंसान की तरह पेश आना। आधुनिक समाज में यही सबसे बड़ा उत्सव है। जब हम प्रेम और सद्भाव को जीवन की नीति बनाते हैं, तब नया साल केवल हमारा नहीं रहता, वह समाज का नया साल बन जाता है। घृणा से मुक्ति सबसे जरूरी नववर्ष का संकल्प है। कोई एक संकल्प सबसे अधिक जरूरी है, तो वह है घृणा को छोड़ने का संकल्प। घृणा हमें थकाती है, हमें संकीर्ण बनाती है और हमारे भीतर के मनुष्य को छोट करती है। नया साल इस संकल्प को उतारने का समय है। आधुनिक सोच यह नहीं कहती कि अन्याय को स्वीकार कर लिया जाए, बल्कि यह कहती है कि संघर्ष में भी मानवीय गरिमा बनी रहे। घृणा छोड़ना कमजोरी नहीं, बल्कि मानसिक स्वतंत्रता है। हमारा लक्ष्य केवल सफलता नहीं, सार्थकता के साथ नए साल में लक्ष्य तय किए जाते हैं, पैसा, पद, पहचान पर नहीं पर आधुनिक दृष्टि पूछती है इन लक्ष्यों का उद्देश्य क्या है। लक्ष्य केवल सफलता के लिए नहीं, सार्थकता के लिए होने चाहिए। ऐसा लक्ष्य जो केवल हमें नहीं, दूसरों को भी बेहतर जीवन दे सके। जब लक्ष्य समाज और आत्मा दोनों के साथ जुड़ते हैं, तब सफलता अहंकार नहीं बनती, बल्कि सेवा का माध्यम बनती है। परिवर्तन डरने की नहीं, गढ़ने की चीज। लोग परिवर्तन चाहते हैं, लेकिन उससे डरते भी हैं। नया साल परिवर्तन का प्रतीक है,

पर आधुनिक सोच कहती है कि परिवर्तन बाहर नहीं, भीतर से शुरू होना चाहिए। यदि सोच नहीं बदली, तो हालात बदलने से भी कुछ नहीं बदलेगा। परिवर्तन का अर्थ पुरानी गलतियों से सीखना, नई राह चुनना और जरूरत पड़ने पर खुद को फिर से गढ़ लेना। क्षमा और दया आत्मा की सफाई के साथ नया साल मनाने से पहले जरूरी है। क्षमा और दया इसी सफाई के साधन हैं। क्षमा दूसरों के लिए नहीं, हमारे अपने मन के लिए होती है। दया दूसरों को नहीं, हमें इंसान बनाए रखती है। जब हम क्षमा करते हैं, तब हम अतीत की जंजीरों से मुक्त होते हैं। यही सच्ची नववर्ष की शुरुआत है। शील और सोहार्द आधुनिकता का नैतिक आधार हैं। आधुनिक होने का अर्थ मूल्यहीन होना नहीं है। शील, विचार, भाषा और आचरण की मर्यादा, आज पहले से अधिक आवश्यक है। सोहार्द वह सेतु है जो विविधताओं को जोड़ता है। नया साल हमें यह याद दिलाता है कि सभ्यता की पहचान ऊँची इमारतों से नहीं, बल्कि ऊँचे चरित्र से होती है। नूतन वर्ष हम नूतन सोच, समझ के साथ मनाएँ। नया साल मनाने का सबसे अच्छा तरीका है, खुद से ईमानदार संवाद करें शोर, भीड़, तमाशा, दिखावा से दूर, एक शांत संकल्प के साथ आगे बढ़ें। घृणा, से अधिक प्रेम, कम शिकायत, अधिक प्रयास, कम अहंकार, अधिक करुणा अपनाएँ नया साल तब सचमुच नया होगा, जब हम अपने भीतर कुछ नया और न्यायपूर्ण लाएँगे। यही आधुनिक सोच है, यही समय की माँग है, और यही नए साल का सच्चा उत्सव। फिर नए संकल्प और उमंग के साथ हमें तैयार हो जाना चाहिए। (बरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।)

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य



भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) की कंधों पर गोलो उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएँ उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि

सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूँ। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है। वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है— परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएँ कर रहे हैं। उनका व्यक्तिगत विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते। किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ। भगवान समझाते हैं—यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इससे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

विचार मंथन

(लेखक- सनत जैन)

पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे सियासी बयानबाजी तेज और तीखी होती जा रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हालिया बयानों ने यह साफ़ कर दिया है, आने वाला चुनाव सिर्फ विकास और शासन का नहीं, बल्कि आरोप-प्रत्यारोप, आँकड़ों, प्रतीकों और चुनाव आयोग भूमिका का जंग भी होगा। यह वही 'नूरा-कुशती' है, जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे को पटकनी देने की कोशिश में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। अमित शाह ने अपने बंगाल दौरे में ममता सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। सबसे बड़ा मुद्दा रहा बांग्लादेश सीमा पर फेंसिंग का। शाह का दावा था ममता सरकार जमीन नहीं दे रही, जिससे सीमा सुरक्षा बाधित हो रही है। जिसके कारण अवैध घुसपैठ बढ़ रही है। उन्होंने यह

आने वाला चुनाव सिर्फ विकास और शासन का नहीं, बल्कि आरोप-प्रत्यारोप, ...

भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस चुनावी फायदे के लिए घुसपैठ को नजरअंदाज कर रही है। इसके साथ ही अमित शाह ने भ्रष्टाचार, केंद्र की योजनाओं में 'कट मनी' और विकास के उद्धार जैसे आरोपों को उन्होंने प्रमुखता से उठाया। शाह ने बीजेपी की बंगाल में बढ़ती चुनावी ताकत को आंकड़ों के जरिए पेश करते हुए, 2026 में 'प्रचंड बहुमत' की सरकार बनाने का दावा किया। यह रणनीति स्पष्ट है—बीजेपी खुद को बंगाल में उभरती ताकत और टीएमसी को थकी हुई, भ्रष्ट और विकास विरोधी सरकार के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। शाह का यह बयान कि 15 अप्रैल 2026 के बाद 'बंग गौरव और बंग संस्कृति' को पुनर्जीवित किया जाएगा। इसके जरिये सीधे तौर पर क्षेत्रीय अस्मिता को साधने की भाजपा की कोशिश है। ममता बनर्जी ने पलटवार में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने अमित शाह को महाभारत के पात्रों से जोड़ते हुए व्यंग किया। दीदी

ने बीजेपी की राजनीति साजिशों के जरिये राजनीति बताया। ममता ने निशाना साधा, उन्होंने कहा अगर बंगाल ही घुसपैठ का केंद्र है, तो देश के अन्य हिस्सों में हुए आतंकी हमलों और विस्फोटों की जिम्मेदारी किसकी है? इस सवाल के जरिए उन्होंने घुसपैठ के मुद्दे पर अमित शाह को घेरने की कोशिश की। ममता ने जमीन न देने के आरोप को भी तथ्यों के साथ खारिज किया। पेट्रापोल व अंडाल जैसे उदाहरण अमित शाह को गिनाए। उनका आरोप है कि बीजेपी 'एसआईआर' जैसे अभियानों के जरिए आम लोगों को परेशान कर रही है, ब. बंगाल में डर का माहौल बना रही है। दरअसल, ममता की राजनीति हमेशा से बंगाली अस्मिता की धुरी पर घूमती रही है। इस बार भी वह उसी नैरेटिव को मजबूत करती हुई दिख रही हैं। इस राजनीतिक टकराव का सबसे अहम पहलू यह है, दोनों पक्ष विकास के सवाल से ज्यादा पहचान और सुरक्षा के मुद्दों पर जोर दे

रहे हैं। बीजेपी बंगाली अस्मिता पर ममता को घेरने की तैयारी कर रही है। बीजेपी घुसपैठ, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था को मुख्य हथियार बना रही है, जबकि टीएमसी केंद्र की विफलताओं, संघीय ढांचे और बंगाल की अस्मिता को मजबूती के साथ सामने रख रही है। इस लड़ाई में असली सवाल—रोजगार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और निवेश—इन नारों के शोर में कहीं दबते हुए नजर आ रहे हैं। बंगाल की राजनीति का इतिहास बताता है कि यहां के मतदाता सिर्फ आंकड़ों और भाषणों से नहीं, बल्कि जमीनी अनुभव से फैसला करते हैं। 2021 में बीजेपी के आक्रमक अभियान के बावजूद ममता बनर्जी सत्ता में लौटीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने यह दिखाया, कि उसका आधार पूरी तरह से प. बंगाल में कमजोर नहीं हुआ है। ऐसे में 2026 का विधानसभा चुनाव काटे का हो सकता है। फिलहाल, शाह और ममता की यह लड़ाई चुनावी माहौल को गहमाने का

काम कर रही है। एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के जरिये बीजेपी को बिसात बिछा रही थी। उसमें प. बंगाल में बीजेपी सफल होती नहीं दिख रही है। इसका उदाहरण है, केन्द्रीय चुनाव आयोग ने जिन मतदाताओं को अपात्र की सूची में रखा था। उसका लच सवामने आ गया है। प. बंगाल के चुनाव कार्य में लगे अधिकारियों ने चुनावदाई रोक दी है। अब घर - घर जाकर उसका परिक्षण कर रहे हैं। जिससे माना जा रहा है, प. बंगाल में एसआईआर का खेल फलाना हो गया है। विधान सभा चुनाव में अंततः जनता यह तय करेगी, उसे सुरक्षा के नाम पर मतदान करना है या संघीय सम्मान और क्षेत्रीय पहचान पर मतदान करना है। अगर यह लड़ाई सिर्फ आरोपों तक सीमित रही, तो नुकसान लोकतांत्रिक विमर्श एवं मतदाताओं का होगा। बंगाल की राजनीति इस स्थिति में पहुंच गई है, जहां मतदाता सोच-समझकर मतदान करेगा।

दक्षिण अफ्रीका में भारत का वाहन बाजार में दबदबा बढ़ा



- महिंद्रा एंड महिंद्रा अपनी पिकअप श्रृंखला के माध्यम से दक्षिण अफ्रीका में अग्रणी रही

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में बिकने वाली आधी कारों अब किसी न किसी रूप में भारत से जुड़ी हुई हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में जापानी हल्की कारों के 84 प्रतिशत वाहन भारत से आयातित थे, जबकि केवल 10 प्रतिशत वाहन ही जापान में बने थे। कुल वाहन बिक्री में से 36 प्रतिशत वाहन भारत से सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से आए, जो स्थानीय उत्पादन के लगभग बराबर है। रिपोर्ट में बताया गया है कि महिंद्रा एंड महिंद्रा विशेष रूप से अपनी पिकअप श्रृंखला के माध्यम से दक्षिण अफ्रीका में अग्रणी रही। टाटा जैसी भारतीय कंपनियां भी इस बाजार में मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। 2025 के पहले पांच महीनों में कुल यात्री वाहन बिक्री में से 49 प्रतिशत वाहन भारत से आयात किए गए। इनमें अधिकांश वाहन मारुति सुजुकी के भारत स्थित उत्पादन से आए। यह संकेत देता है कि भारतीय उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता दोनों दक्षिण अफ्रीका में उपभोक्ताओं के लिए आकर्षक हैं। विश्लेषकों के अनुसार भारत में उत्पादन लागत और श्रम अपेक्षाकृत कम होने के कारण कंपनियां वहां उत्पादन बढ़ा रही हैं। इससे दक्षिण अफ्रीका के खरीदारों को कीमतों में राहत मिल रही है। हालांकि, यह स्थानीय वाहन उद्योग के लिए चिंता का विषय बन सकता है, क्योंकि अधिक आयातित वाहन स्थानीय निर्माताओं की बिक्री को प्रभावित कर सकते हैं।

गूगल-पे, फोन-पे और पेटीएम 1 जनवरी से नहीं होंगे बंद

- अगले पूरे साल तक यूएस सभी यूपीआई ऐप्स का कार्र सकते हैं इस्तेमाल



नई दिल्ली। नए साल की तैयारियों के बीच सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर कुछ मैसेज तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि 1 जनवरी 2026 से गूगल पे, फोन पे जैसे यूपीआई ऐप्स पर लिमिट लगेगी या बंद हो जाएंगे। इन दावों में कोई सच्चाई नहीं है। कुछ मैसेज में कहा जा रहा है कि गूगल पे और फोन पे पर 1 जनवरी से ट्रांजेक्शन लिमिट लागू होगी या ऐप काम करना बंद कर देगा। यह पूरी तरह गलत है। पनपीसीआई ने 30 फीसदी मार्केट शेयर की सीमा का नियम प्रस्तावित किया था, लेकिन इसे लागू करने की नई डेडलाइन 31 दिसंबर 2026 तक की गई है। इसका मतलब है कि अगले पूरे साल तक यूएस बिना किसी परेशानी के सभी यूपीआई ऐप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक अन्य दावा यह है कि अगर एक साल तक ट्रांजेक्शन नहीं किया गया तो यूपीआई आईडी बंद हो जाएगी। जबकि सच्चाई यह है कि यह नियम 2023 से लागू है और केवल उन मोबाइल नंबर से जुड़े यूपीआई आईडीएप्स के लिए है जो अब उपयोग में नहीं हैं। अगर नंबर बदल चुका है और लंबे समय से ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है, तभी यूपीआई आईडी डिक्टिव हो सकती है। बैंक या ऐप पहले इसकी सूचना भी भेजते हैं। सोशल मीडिया पर यह भी कहा जा रहा है कि पेन-आधार लिंक न होने पर बैंक खाता फ्री हो जाएगा और यूपीआई बंद हो जाएगा। यह दावा भी गलत है। पेन लिंक न होने से केवल ट्रीडोएप्स अधिक कट सकता है और टैक्स रिफंड में समस्या आ सकती है, लेकिन यूपीआई सेवाओं पर इसका कोई असर नहीं होता।

बैंकिंग में सुरक्षा बढ़ी: म्यूल अकाउंट्स की रोकथाम के लिए ब्रांच वेरिफिकेशन जरूरी

मुंबई

हाल के वर्षों में साइबर ठगी में म्यूल अकाउंट्स की संख्या तेजी से बढ़ी है। म्यूल अकाउंट ऐसे खाते होते हैं, जिनके जरिए ठगी से निकाले गए पैसे ट्रांसफर किए जाते हैं। इस बढ़ते खतरे के कारण बैंक अब डिजिटल अकाउंट खोलने में पूरी तरह भरोसा नहीं कर रहे। सरकार ने बैंक को केवल आधार और पैन कार्ड से डिजिटल

सेविंग अकाउंट खोलने की अनुमति दी है। इन खातों में अधिकतम 1,00,000 रुपये जमा करने की सीमा है और इन्हें एक साल के भीतर फूल केवायसी खाते में बदलना अनिवार्य है। ई-केवाईसी की बजाय अब वीडियो-केवाईसी और ब्रांच वेरिफिकेशन को प्राथमिकता दी जा रही है। आईसीआईआई बैंक ने गैर-वेतनभोगी ग्राहकों के लिए इंस्टेंट अकाउंट सुविधा बंद कर दी है।



एचडीएफसी बैंक नए एकीकृत मॉडल पर निवेश कर ग्राहक जोड़ रहा है। नवी मुंबई हवाई अड्डे पर टेलीकॉम आरओडब्ल्यू विवाद

- सीओआई ने विभाग से हस्तक्षेप की मांग की मुंबई (ईएमएस)। दूरसंचार कंपनियों के संगठन (सीओआई) ने नवी मुंबई

नवी मुंबई हवाई अड्डे पर टेलीकॉम आरओडब्ल्यू विवाद

- सीओआई ने विभाग से हस्तक्षेप की मांग की



मुंबई। दूरसंचार कंपनियों के संगठन (सीओआई) ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) पर राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) की अनुमति न दिए जाने और अत्यधिक शुल्क लगाने का आरोप लगाते हुए दूरसंचार विभाग (डीओटी) से हस्तक्षेप की मांग की है। आरओडब्ल्यू यानी कि टेलीकॉम कंपनियों को किसी संपत्ति पर नेटवर्क अवसंरचना स्थापित करने और संचालन का अधिकार। सीओआई के अनुसार, भारती एयरटेल, रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया ने हवाई अड्डे में आईबीएस स्थापित करने की अनुमति मांगी थी, लेकिन हवाई अड्डे ने नियमों के विपरीत अनुमति नहीं दी। सीओआई का आरोप है कि हवाई अड्डा कंपनियों को अपने नेटवर्क का अनिवार्य उपयोग करने को कह रहा है और इसके लिए प्रति ऑपरेटर लगभग 92 लाख रुपये प्रतिमाह शुल्क मांगा जा रहा है। चार ऑपरेटरों के लिए यह लगभग 44.16 करोड़ रुपये सालाना बनता है, जो व्यावसायिक रूप से अव्यवहारिक है। संगठन ने दूरसंचार विभाग से आरओडब्ल्यू की अनुमति सुनिश्चित करने और कथित एकाधिकार व्यवस्था की जांच की मांग की है। अदाणी समूह के स्वामित्व वाले एनएमआईए ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मोबाइल नेटवर्क के लिए आईबीएस अवसंरचना सरकारी कंपनी बीएसएनएल पहले से ही परीक्षण के उन्नत चरण में स्थापित कर रही है।

साल के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 545, निफ्टी 190 अंक उछला

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को साल 2025 के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी के हवी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई 500 संसेक्स अंत में 545.52 अंक करीब 0.64 फीसदी उछलकर 85,220.60 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 190.75 अंक तकरीबन 0.74 फीसदी ऊपर आकर 26,129.60 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान अधिकतर सूचकांक तेजी के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। निफ्टी ऑयल एंड गैस 2.66 फीसदी, निफ्टी पीएसई 1.77 फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 1.61 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.56 फीसदी, निफ्टी मीडिया 1.50 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 1.47 फीसदी की बढ़त के साथ बंद

हुआ। मुख्य सूचकांक में केवल निफ्टी आईटी में ही -0.30 फीसदी की गिरावट रही। संसेक्स पैक में टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, टाइटन, टैट, पावर ग्रिड, बीईएल, एनटीपीसी, एमएंडएम, एचयूएल, एसबीआई, इंडिगो और अल्ट्राटेक सोमेट के शेयर उछले जबकि टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और सन फार्मा के शेयरों को नुकसान हुआ।

लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 570.25 अंक की तेजी के साथ 60,484.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 195 अंक की तेजी के साथ 17,713.95 पर था।

इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में कमजोरी के बाद भी बाजार बढ़त के साथ खुले। संसेक्स 100 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ 84,793.58 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 25,971.05



पर खुला। एशियाई बाजारों में ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एसएक्स 200 इंडेक्स 0.17 फीसदी गिरा, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.42 फीसदी नीचे रहा। चीन का सीएसआई 300 लगभग स्थिर रहा। जापान और दक्षिण कोरिया के शेयर बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। हांगकांग और ऑस्ट्रेलिया में बाजारों का कारोबार समय से पहले बंद हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार भी दबाव में रहे। वॉल स्ट्रीट लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ।

गिग कामगारों की हड़ताल से ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेवा प्रभावित

हड़ताल से सेवाओं में व्यवधान आने की संभावना

मुंबई

देश भर के गिग कामगार संगठनों ने 31 दिसंबर को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। नए साल की पूर्व संध्या ऑनलाइन फूड डिलीवरी और क्रिक कॉमर्स कारोबार के लिए सबसे व्यस्त समय माना जाता है। इस कारण हड़ताल से सेवाओं में व्यवधान आने की संभावना जताई जा रही है। जॉमैटो और स्विगी सहित अधिकांश फूड एग्रीगेटर और क्रिक कॉमर्स कंपनियां हड़ताल के प्रभाव को कम करने के लिए तैयारी में जुटी हैं। प्लेटफॉर्म अपने ऑपरेशन और सपोर्ट सिस्टम को बढ़ा रहे हैं ताकि डिलीवरी पार्टनर्स को सुरक्षा और



सहायता मिल सके। जॉमैटो ने डिलीवरी पार्टनरों के लिए आपातकालीन संपर्क, एसओएस बटन और त्वरित प्रतिक्रिया टीम तैयार की है। इटरनल (जोमैटो और क्लिकडट की मूल कंपनी) ने बताया कि पुलिस और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर डिलीवरी

पार्टनर्स की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। स्विगी अपने नेटवर्क रेस्टोरेंट्स के साथ लगातार संपर्क में है ताकि ऑर्डर की आपूर्ति समय पर सुनिश्चित हो। संभावित व्यवधानों की स्थिति में रेस्टोरेंट्स अपने कर्मचारियों को तैनात कर डिलीवरी जारी रख सकते हैं। अन्य रेस्टोरेंट्स भी इसी रणनीति को अपना सकते हैं। कंपनियां अतिरिक्त कदम उठा रही हैं ताकि ग्राहकों को हड़ताल का काम से कम असर महसूस हो। ऑर्डर मैनेजमेंट और आपूर्ति समयसीमा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हालांकि, अन्य प्लेटफॉर्म जैसे जेजेटो, बिगबास्केट, एमेजॉन नाउ और फ्लिपकार्ट मिनट्स ने इस संबंध में प्रतिक्रिया नहीं दी है।

दिसंबर में भारत का रूस से तेल आयात गिरा



मुंबई। दिसंबर 2025 में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) रह सकता है, जो नवंबर के 18.4 लाख बीपीडी से काफी कम है। यह स्तर दिसंबर 2022 के बाद सबसे निचला होगा। विशेषज्ञों के अनुसार यह गिरावट संरचनात्मक नहीं, बल्कि अल्पकालिक बाधाओं के कारण हुई है। रूस के प्रमुख निर्यातक रोसेनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी कार्रवाई और यूरोपीय संघ के प्रतिबंध मुख्य कारण हैं। भारतीय रिफाइनरियां अभी भी गैर-प्रतिबंधित स्रोतों से रूसी तेल खरीद रही हैं, लेकिन प्रमुख रिफाइनरियों ने प्रतिबंधों के कारण खरीद घटा दी है। विश्लेषकों का कहना है कि जनवरी से नए बिचौलियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनःस्थापित होने से आयात धीरे-धीरे बढ़ सकता है। भारत अभी भी रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार बना हुआ है।

भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक

चीन को पछाड़ निकल गया सबसे आगे

मुंबई

भारत ने लंबे समय तक शीर्ष पर रहे चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बनने का गौरव हासिल कर लिया है। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर (यूएसडीए) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का चावल उत्पादन 152 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जबकि चीन का उत्पादन 146 मिलियन मीट्रिक टन रहा। वैश्विक चावल उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी अब 28 प्रतिशत से अधिक हो गई है।



भारत में चावल की खेती कोई नई बात नहीं है। प्राचीन काल से ही यह भारतीय भोजन और कृषि का अहम हिस्सा रहा है। दुनिया में लगभग 1.23 लाख चावल की किस्में पाई जाती हैं, जिनमें से

में आईआर-8 किस्म की शुरुआत हुई, जिसने उत्पादन में क्रांतिकारी बदलाव लाया। बाजार के जानकारों के अनुसार, भारत का दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बनना सिर्फ कृषि उपलब्धि नहीं, बल्कि रणनीतिक सफलता भी है। भारतीय चावल अब 172 देशों में निर्यात होता है और यह भारत की विदेश नीति का भी अहम हिस्सा बन चुका है। वित्त वर्ष 2024-25 में कृषि उत्पादों के निर्यात का रिकार्ड 4,50,840 करोड़ रुपये रहा, जिसमें चावल की हिस्सेदारी लगभग 24 प्रतिशत रही।

करीब 60 हजार किस्में भारत में मौजूद हैं। 1960 के दशक में भारत खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था। तब ताइवान ने भारत को ताइचुंग नैटव-1 किस्म उपलब्ध कराई। इसके बाद 1968 में भारत

ईयू का कार्बन कर एक जनवरी से लागू

भारतीय इस्पात, एल्युमीनियम निर्यातकों को नुकसान की आशंका



नई दिल्ली

यूरोपीय संघ (ईयू) 1 जनवरी 2026 से इस्पात और एल्युमीनियम सहित कुछ धातुओं के आयात पर कार्बन सौमा समायोजन मैकेनिज्म (सीबीएम) लागू कर रहा है। यह कर उन उत्पादों पर लगाया जाएगा जिनके निर्माण में अधिक कार्बन उत्सर्जन होता है। इस्पात उत्पादन में ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीएफ-बीओएफ) में उत्सर्जन सबसे अधिक होता है, जबकि गैस आधारित डीआरआई में कम और स्क्रैप आधारित इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में सबसे कम। एल्युमीनियम के लिए बिजली का स्रोत अहम है; कोयले से बनी बिजली से कार्बन बोझ बढ़ता है और सीबीएम लागत अधिक होती है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनशियेटिव के अनुसार भारतीय निर्यातकों को कीमतों में 15-22

फीसदी तक की कटौती करनी पड़ सकती है। हालांकि कर सीधे भारतीय कंपनियों द्वारा नहीं देना होगा, ईयू आयातकों को प्रमाणपत्र खरीदना होगा, जिससे लागत अंततः भारतीय निर्यातकों पर आएगी। 2026 से उत्सर्जन आंकड़ों को स्वतंत्र सत्यापन अनिवार्य होगा। केवल ईयू-मायन्ता प्राप्त या आईएसओ 14065 के अनुरूप सत्यापनकर्ता स्वीकार किए जाएंगे। जटिल आंकड़ा और सत्यापन प्रक्रिया से छोटे निर्यातक बाजार से बाहर हो सकते हैं, जबकि कम उत्सर्जन वाले उत्पादकों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है। भारत का ईयू को इस्पात और एल्युमीनियम निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 7.71 अरब डॉलर था, जो 2025 में घटकर 5.82 अरब डॉलर रह गया। भारत और ईयू के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते में सीबीएमए एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है।

लक्जरी वाहन ब्रांड भारत में रियल एस्टेट क्षेत्र में कर रहा प्रवेश

मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू की नजर भारत के रियल एस्टेट पर



मुंबई

लोकप्रिय लक्जरी वाहन कंपनियां मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को तलाश रही हैं। उद्योग सृजकों के अनुसार मर्सिडीज-बेंज गुरुग्राम में लक्जरी ब्रांडेड रिहायशी परियोजना के लिए कई डेवलपर्स से बातचीत कर रही है। बीएमडब्ल्यू भी भारतीय डेवलपर्स के साथ चर्चा कर रही है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह सीधे ब्रांडेड परियोजना के लिए है या अपनी डिजाइन सलाहकार फर्म डिजाइनवर्क्स के माध्यम से। टॉनियो लैम्बोर्गिनी, जिन्होंने टोनियो लैम्बोर्गिनी स्पा की स्थापना की, मुंबई और चेन्नई में दो रियल एस्टेट डेवलपर्स के साथ बातचीत अंतिम चरण में हैं। इंडस्ट्री विशेषज्ञों का मानना है कि लैम्बोर्गिनी परिवार की भारत में

रुचि ने अन्य लक्जरी कार ब्रांडों की बातचीत में तेजी ला दी है। नोएसिस कैपिटल एडवाइजर्स के एक अधिकारी के अनुसार प्रीमियम वेलेनेस ब्रांड और यूरोपीय डिजाइन स्टूडियोज भी भारतीय रियल एस्टेट में रुचि ले रहे हैं। मर्सिडीज-बेंज के पास पहले से ही दुबई और मियामी में ब्रांडेड रिहायशी परियोजनाएं हैं। वहीं बीएमडब्ल्यू ने अभी तक वैश्विक स्तर पर कोई ब्रांडेड रिहायशी प्रोजेक्ट शुरू नहीं किया है। भारत में 2026 तक इस तरह के सौदों में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारत में लक्जरी और प्रीमियम रियल एस्टेट क्षेत्र में विदेशी वाहन ब्रांडों की भागीदारी बढ़ेगी। इससे उच्च-स्तरीय रिहायशी परियोजनाओं का निर्माण और लक्जरी जीवनशैली का ट्रेंड और अधिक मजबूत होगा।

नए साल पर होटल बुकिंग में उछाल

मुंबई

नए साल के मौके पर होटल और रिहायशी सुविधाओं में अंतिम समय की बुकिंग में भारी वृद्धि देखने को मिल रही है। बताया जा रहा है कि नए साल की पूर्व संध्या और नए साल के दिन बुकिंग का 25 से 28 प्रतिशत हिस्सा केवल अंतिम 2-4 दिनों में आया। इस समय में कमरे के किराये सामान्य त्योंहारा की तुलना में

30-45 प्रतिशत अधिक हैं। सबसे अधिक मांग लोनावला, नो सिक, गोवा और कसौली जैसे स्थलों से रही। इन जगहों तक पहुंच आसान है और गुप्स के लिए विला उपलब्ध हैं। भीड़-भरे सावजनिक आयोजनों की बजाय निजी रूप से नया साल मनाने का चलन भी बढ़ रहा है। अरैया होटलों में भी नए साल की अवधि में खोज और मांग 6 से 31 प्रतिशत तक बढ़ी है। वहीं फूड डिलिवरी कारोबार



और कुछ पब नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। गिग वर्कर्स की हड़ताल और शहरों में भीड़ कम होने से डिलीवरी प्रभावित हुई है।

न्यूजीलैंड ने 2025 में मचाई धमाल, भारत-पाकिस्तान ने भी दिखाई ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 का साल क्रिकेट फैंस के लिए काफी रोमांचक रहा और इस दौरान कई टीमों ने अपने प्रदर्शन से दिल जीते। सभी फॉर्मेट टेस्ट, वनडे और टी20 मिलाकर सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीमों की लिस्ट में न्यूजीलैंड सबसे ऊपर रही। 2025 में कीवी टीम ने कुल 47 मैचों में 33 जीत दर्ज की, जबकि सिर्फ 9 मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा एक मैच ड्रॉ रहा और चार मैचों का नतीजा नहीं निकला। न्यूजीलैंड ने इस साल 4 टेस्ट, 17 वनडे और 12 टी20 में जीत हासिल कर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। भारत और पाकिस्तान ने भी सालभर शानदार प्रदर्शन किया और दोनों टीमों ने बराबर 30-30 मैच जीते। हालांकि

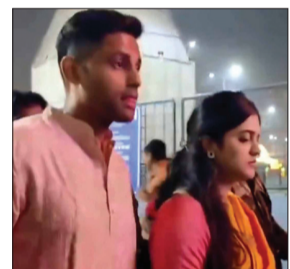
पाकिस्तान ने भारत की तुलना में अधिक मैच खेले। पाकिस्तान ने कुल 56 मुकाबलों में 30 जीत हासिल की, वहीं भारत ने 45 में से इतने ही मैच जीते। इस साल भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप में कई बार पाकिस्तान को मात दी, जिससे दोनों के बीच मुकाबले का रोमांच और बढ़ गया।

वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने इस साल तीसरे नंबर पर कब्जा जमाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कुल 38 मैचों में 23 जीत दर्ज की, जबकि 11 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ एशिया सीरीज में उन्हें साल की आखिरी हार मिली, लेकिन इसके बावजूद टीम ने पूरे साल स्थिर प्रदर्शन किया। लिस्ट में पांचवें पायदान पर बांग्लादेश और साउथ

अफ्रीका की टीमें रही, जिन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 21-21 मुकाबले जीते। साउथ अफ्रीका ने 43 मैच खेले, जिनमें 22 में हार झेली, जबकि बांग्लादेश ने 47 में से 23 मैच जीते। दोनों टीमों ने सालभर अपने फैंस को रोमांचक क्रिकेट का अनुभव जरूर कराया। इस लिस्ट से साफ है कि 2025 में न्यूजीलैंड ने सबसे अधिक मैच जीतकर अपनी मजबूती दिखाई, वहीं भारत और पाकिस्तान की टीमों ने भी मुकाबले में कड़ी टक्कर दी। ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका ने भी अपने स्तर पर शानदार खेल दिखाया। कुल मिलाकर, 2025 क्रिकेट के लिए एक बेहद रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक साल रहा, जिसमें फैंस को हर फॉर्मेट में क्रिकेट का भरपूर मजा मिला।



सूर्यकुमार ने तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना की



नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुमला (इंफ्राए)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी पत्नी देविशा शेट्टी के साथ तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद लिया। सूर्यकुमार और उनकी पत्नी ने वैकुंठ एकादशी के शुभ अवसर पर भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की और पवित्र वैकुंठ द्वाप से होकर दर्शन किए। इसे अत्यंत पावन माना जाता है। सूर्या पिछले कुछ समय से अपने नाम के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और माना जा रहा है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले इसी कारण भागवान की शरण में पहुंचे होंगे। तिरुमला तिरुपति देवस्थान (टीडीपी) प्रशासन ने सूर्यकुमार और उनकी पत्नी के लिए विशेष दर्शन की व्यवस्था भी की। सुबह के समय दोनों ने शांतिपूर्वक भगवान के दर्शन किए। दर्शन के बाद मंदिर के पुजारियों ने उन्हें संनायकुलावरी मंडप में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आशीर्वाद दिया। इसके पश्चात दोनों को तीर्थ प्रसाद प्रदान

किया गया और उन्होंने भगवान को वस्त्र अर्पित किए। मंदिर परिसर में सूर्यकुमार और देविशा को देखकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। दोनों पारंपरिक परिधान में सादगी और श्रद्धा के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हुए। उनकी विनम्रता और आस्था ने एक बार फिर यह दिखाया है कि वस्तु अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम के बाद भी भारतीय खिलाड़ी अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जड़ों से जुड़े हुए हैं। उनके मंदिर दर्शन का एक वीडियो भी आया है। इसमें दिख रहा है कि सूर्यकुमार जब मंदिर की तरफ जा रहे थे तो प्रशंसकों ने उन्हें घेर लिया। सूर्यकुमार ने पास आने वाले प्रशंसकों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। कुछ फल के लिए वो रुके भी जिससे तस्वीर लेने वालों को पूरा समय मिल सके और किसी को परेशानी भी ना हो। इससे पहले साल 2023 में भी उन्होंने वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। इसकी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की थी। इसके अलावा वह बाबा महाकाल और अन्य मंदिरों में भी दर्शनों के लिए पहुंचते रहे हैं। वहीं सूर्या के अलावा बल्लेबाज तिलक वर्मा भी भगवान वेंकटेश्वर के दर्शनों के लिए पहुंचे। उनके साथ बोसोसीआई एंपेक्स कार्डिनल के सदस्य और पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर वी. चामुंडेश्वरनाथ भी थे। तिलक इससे पहले एशिया कप 2024 से पहले भी तिरुमला आए थे।

प्रीमियर लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को ड्रॉ पर रोकने में सफल रही वॉल्वरहेम्टन वांडरर्स

मैनचेस्टर। प्रीमियर लीग फुटबॉल में वॉल्वरहेम्टन वांडरर्स और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा है। इस मैच का पहला गोल मैनचेस्टर यूनाइटेड की ओर से जोशुआ जार्जजी ने 27वें मिनट में गोल किया था। वहीं मैच के 45वें मिनट में लादिस्ताव ब्रगेजी ने एक गोल कर वॉल्वरहेम्टन वांडरर्स को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद कोई भी टीम गोल नहीं कर पायी जिससे मुकाबला बराबरी पर रहा। वॉल्वरहेम्टन लगातार 11 हार के बाद किसी मैच में हार से बची है। ड्रा के साथ ही मैनचेस्टर यूनाइटेड छठे स्थान पर रही है। इससे मैनचेस्टर चौथे स्थान पर रही लिडरगुल के बराबर अंक पाने में विफल रही है। वहीं वॉल्वरहेम्टन वांडरर्स अंकाताली में सबसे नीचे है। ड्रा के साथ ही उसके 3 अंक हो गये हैं। एक अन्य मैच में न्यूकैसल यूनाइटेड ने साल के अपने अंतिम मैच में बर्नले को हराया। इस हार के बाद बर्नले 19वें नंबर जबकि न्यूकैसल 10वें नंबर पर है।

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगे 2026 एशियन गेम्स

मुंबई (एजेंसी)। 2025 के सफल साल के बाद जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने ग्लोबल स्टेज पर कई इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन किया, साल 2026 नई और कठिन चुनौतियां लेकर आया और सबसे ऊपर 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची प्रीफेक्चर और नागाया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स हैं।

2025 में भारत के लिए ओलंपिक खेल मिले-जुले रहे क्योंकि देश ने तीरंदाजी, बॉक्सिंग, कुश्ती, शूटिंग, वेटलिफ्टिंग और हॉकी जैसे खेलों में अच्छे प्रदर्शन किया। तीरंदाजी में धीरज बोमामदेवरा, तरुणदीप राय और अतनु दास की भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने 2025 वर्ल्ड कप में सिल्वर मेडल जीता। जबकि भारत ने कंबांडड सेक्शन में दबदबा बनाया, महिला टीम और ज्योति सुरेखा वेमन ने कंबांडड टीम और व्यक्तिगत प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीते।

भारतीय एथलीटों ने 2025 समर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में अच्छे प्रदर्शन किया जिसमें 2 गोल्ड और 5 सिल्वर सहित 12 मेडल जीते, लेकिन साल का सबसे बड़ा खेल इवेंट, एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप निराशाजनक रहा क्योंकि नीरज चोपड़ा 2018 के बाद से बड़े

इवेंट्स में टॉप दो में रहने के बाद बिना मेडल के रह गए। बैटमिंटन भी मिला-जुला रहा और जूनियर इवेंट्स और मिड-लेवल प्रतियोगिताओं में कुछ मेडल के अलावा, केवल सालिकसाईराज रंकीरेड्डी और निराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ही कड़ी प्रतिस्पर्धा के सामने टिकी रही।

अब वह सब पुरानी बात हो गई है और आइची-नागाया 2026 भारतीय खिलाड़ियों को एशियन गेम्स में अपनी पूरी क्षमता दिखाने का मौका देगा जबकि लॉस एंजिल्स ओलंपिक में दो साल और 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में चार साल बाकी हैं, जब प्रतियोगिताओं के पूरे पैमाने पर लौटने की उम्मीद है जो 2026 में ग्लासगो में होने वाले छठे पैमाने के संस्करण से अलग होगा, जिसमें केवल 10 खेलों में प्रतिस्पर्धा होगी। 2026 एशियन गेम्स में 32 करार खेल होंगे जिनमें से ज्यादातर वे खेल होंगे जो ओलंपिक गेम्स का हिस्सा हैं, और 11 अन्य खेल और डिजिटलिंग होंगे जिनमें पांच क्षेत्रीय खेल वुशू, सेपक-टक्कब, कंबडू, कुरुश और जुडो शामिल हैं। डॉसस्पॉर्ट्स, रोलेर स्पॉर्ट्स, सर्फिंग, क्रिकेट, ई-स्पॉर्ट्स, मिक्सड मार्शल आर्ट्स और पैडल भी शेड्यूल का हिस्सा होंगे। कुल मिलाकर 45 नेशनल ओलंपिक

कमेटीयों से 2026 गेम्स के लिए अपने दल भेजने की उम्मीद है, जो अनोखे होंगे क्योंकि प्रतिभागियों को आमतेर पर बनाए जाने वाले स्थायी एथलेटिक्स विलेज में नहीं ठहराया जाएगा, बल्कि किंगो पियर पर डॉक किए गए एक क्लब शिप में ठहराया जाएगा।

प्रतिभागियों को नागाया बंदरगाह के पास दोबारा इस्तेमाल किए गए शिपिंग कटेनरों से बने अस्थायी विला में भी ठहराया जाएगा, और कुछ को प्रीफेक्चर और बाहरी शहरों के कई होटलों में ठहराया जाएगा। आयोजन स्थल आइची प्रीफेक्चर और नागाया के विभिन्न शहरों में फैले होंगे जबकि तैयकी और घुड़सवारी प्रतियोगिताएं टोक्यो में होंगी।

इस तरह 2026 एशियन गेम्स भारत के लिए एक बड़ा मौका होगा जो कॉन्टिनेंटल गेम्स में 183 गोल्ड, 238 सिल्वर और 357 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 778 मेडल जीतकर पांचवां सबसे सफल देश है। भारत जापान में होने वाले एशियन गेम्स के 20वें एडिशन में 2022 एशियाई एशियन गेम्स में अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन के बाद जाएगा, जहां भारत ने 108 मेडल जीते थे - 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 40 ब्रॉन्ज। इसका मतलब है कि प्रतिभागियों पर यह साबित करने का दबाव होगा

काम्या कार्तिकेयन ने रचा इतिहास, साउथ पोल तक स्कीइंग करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के एक अधिकारी की 18 साल की बेटी काम्या कार्तिकेयन ने साउथ पोल तक स्कीइंग करके इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं। काम्या ने 89 डिग्री दक्षिण से शुरू करके, अपने पूरे एक्सपेरिमेंट का सामान ले जा रही स्लेज को खींचते हुए, स्कीइंग करते हुए ज्योग्राफिक साउथ पोल तक पैदल लगभग 115 किमी का सफर तय किया।

उन्होंने 27 दिसंबर को यह मुश्किल अभियान पूरा किया। इस शानदार उपलब्धि को हासिल करने के लिए उन्होंने अंटार्कटिका की मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया, जिसमें तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक गिरना और तेज तूफानी हवाएं शामिल थीं। उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए भारतीय नौसेना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'भारतीय नौसेना काम्या कार्तिकेयन, जो एक नौसेना अधिकारी की 18 वर्षीय बेटी और नेवी

चिल्ड्रन्स स्कूल की पूर्व छात्रा हैं, को बधाई देती है, जिन्होंने साउथ पोल तक स्कीइंग करके सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनकर एक बार फिर इतिहास रचा है।' नौसेना ने आगे कहा, 'काम्या माइनस 30 डिग्री सेल्सियस के कठोर मौसम और तूफानी हवाओं का सामना करते हुए अपने पूरे एक्सपेरिमेंट के सामान से भरी स्लेज को खींचते हुए लगभग 60 नॉटिकल मील

(लगभग 115 किमी) पैदल चलकर 27 दिसंबर को साउथ पोल पर पहुंचीं।' 12वीं कक्षा की छात्रा काम्या, प्रतिष्ठित एक्सप्लोरर्स ग्रैंड स्लैम को पूरा करने का प्रयास कर रही हैं, जिसमें सभी सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियां पर चढ़ना और नॉर्थ और साउथ पोल दोनों जगह स्कीइंग करना शामिल है। इससे पहले उन्होंने सेवन समिट्स चैलेंज पूरा किया था और नेपाल की तरफ



से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनीं। उनकी पतवारोहण उपलब्धियों में माउंट किलिमंजारो (अफ्रीका), माउंट एल्ब्रस (यूरोप), माउंट कोसियसको (ऑस्ट्रेलिया), माउंट एर्कनकागुआ (दक्षिण अमेरिका), माउंट डेनाली (उत्तरी अमेरिका), माउंट एवरेस्ट (एशिया), और माउंट विंसन (अंटार्कटिका) पर चढ़ाई शामिल है। काम्या 24 दिसंबर को अपने पिता, भारतीय नौसेना के कमांडर एस कार्तिकेयन के साथ माउंट विंसन की चोटी पर पहुंचीं, ताकि साउथ पोल स्की अभियान शुरू करने से पहले सेवन समिट्स चैलेंज पूरा कर सकें। उनकी असाधारण यात्रा को सहायता करते हुए भारतीय नौसेना ने कहा, 'उनकी उपलब्धि निश्चित रूप से उनकी पीढ़ी के कई लोगों को अपनी सोमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। उन्हें नॉर्थ पोल तक स्कीइंग के अंतिम पड़ाव को लेकर 'स्वच्छ हवा और साफ आसमान' की शुभकामनाएं।'

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगे 2026 एशियन गेम्स

मुंबई (एजेंसी)। 2025 के सफल साल के बाद जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने ग्लोबल स्टेज पर कई इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन किया, साल 2026 नई और कठिन चुनौतियां लेकर आया और सबसे ऊपर 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची प्रीफेक्चर और नागाया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स हैं।

2025 में भारत के लिए ओलंपिक खेल मिले-जुले रहे क्योंकि देश ने तीरंदाजी, बॉक्सिंग, कुश्ती, शूटिंग, वेटलिफ्टिंग और हॉकी जैसे खेलों में अच्छे प्रदर्शन किया। तीरंदाजी में धीरज बोमामदेवरा, तरुणदीप राय और अतनु दास की भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने 2025 वर्ल्ड कप में सिल्वर मेडल जीता। जबकि भारत ने कंबांडड सेक्शन में दबदबा बनाया, महिला टीम और ज्योति सुरेखा वेमन ने कंबांडड टीम और व्यक्तिगत प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीते।

भारतीय एथलीटों ने 2025 समर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में अच्छे प्रदर्शन किया जिसमें 2 गोल्ड और 5 सिल्वर सहित 12 मेडल जीते, लेकिन साल का सबसे बड़ा खेल इवेंट, एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप निराशाजनक रहा क्योंकि नीरज चोपड़ा 2018 के बाद से बड़े

इवेंट्स में टॉप दो में रहने के बाद बिना मेडल के रह गए। बैटमिंटन भी मिला-जुला रहा और जूनियर इवेंट्स और मिड-लेवल प्रतियोगिताओं में कुछ मेडल के अलावा, केवल सालिकसाईराज रंकीरेड्डी और निराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ही कड़ी प्रतिस्पर्धा के सामने टिकी रही।

अब वह सब पुरानी बात हो गई है और आइची-नागाया 2026 भारतीय खिलाड़ियों को एशियन गेम्स में अपनी पूरी क्षमता दिखाने का मौका देगा जबकि लॉस एंजिल्स ओलंपिक में दो साल और 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में चार साल बाकी हैं, जब प्रतियोगिताओं के पूरे पैमाने पर लौटने की उम्मीद है जो 2026 में ग्लासगो में होने वाले छठे पैमाने के संस्करण से अलग होगा, जिसमें केवल 10 खेलों में प्रतिस्पर्धा होगी। 2026 एशियन गेम्स में 32 करार खेल होंगे जिनमें से ज्यादातर वे खेल होंगे जो ओलंपिक गेम्स का हिस्सा हैं, और 11 अन्य खेल और डिजिटलिंग होंगे जिनमें पांच क्षेत्रीय खेल वुशू, सेपक-टक्कब, कंबडू, कुरुश और जुडो शामिल हैं। डॉसस्पॉर्ट्स, रोलेर स्पॉर्ट्स, सर्फिंग, क्रिकेट, ई-स्पॉर्ट्स, मिक्सड मार्शल आर्ट्स और पैडल भी शेड्यूल का हिस्सा होंगे। कुल मिलाकर 45 नेशनल ओलंपिक

कमेटीयों से 2026 गेम्स के लिए अपने दल भेजने की उम्मीद है, जो अनोखे होंगे क्योंकि प्रतिभागियों को आमतेर पर बनाए जाने वाले स्थायी एथलेटिक्स विलेज में नहीं ठहराया जाएगा, बल्कि किंगो पियर पर डॉक किए गए एक क्लब शिप में ठहराया जाएगा।

प्रतिभागियों को नागाया बंदरगाह के पास दोबारा इस्तेमाल किए गए शिपिंग कटेनरों से बने अस्थायी विला में भी ठहराया जाएगा, और कुछ को प्रीफेक्चर और बाहरी शहरों के कई होटलों में ठहराया जाएगा। आयोजन स्थल आइची प्रीफेक्चर और नागाया के विभिन्न शहरों में फैले होंगे जबकि तैयकी और घुड़सवारी प्रतियोगिताएं टोक्यो में होंगी।

इस तरह 2026 एशियन गेम्स भारत के लिए एक बड़ा मौका होगा जो कॉन्टिनेंटल गेम्स में 183 गोल्ड, 238 सिल्वर और 357 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 778 मेडल जीतकर पांचवां सबसे सफल देश है। भारत जापान में होने वाले एशियन गेम्स के 20वें एडिशन में 2022 एशियाई एशियन गेम्स में अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन के बाद जाएगा, जहां भारत ने 108 मेडल जीते थे - 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 40 ब्रॉन्ज। इसका मतलब है कि प्रतिभागियों पर यह साबित करने का दबाव होगा



कि पिछले कुछ सालों में उन पर खर्च किया गया भारी पैसा बर्बाद नहीं हुआ।

एक अच्छे प्रदर्शन और बेर सोर मेडल यह भी साबित करेंगे कि पिछले कुछ सालों में भारतीय खेलों में स्वाभाविक प्रगति और विकास हुआ है जैसा कि एशियन गेम्स के पिछले कुछ एडिशन में भारत द्वारा जीते गए कुल मेडलों में देखा जा सकता है।

यह 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक गेम्स और 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए

भी एक शानदार तैयारी होगी, जो शायद अहमदाबाद में होगी, जिसे कॉमनवेल्थ स्पॉट एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने शॉर्टलिस्ट किया है।

एक और सफल एशियन गेम्स 2036 ओलंपिक गेम्स के लिए भारत की दवावारी को भी मजबूत करेगा। 2026 में भारत के पास अच्छे प्रदर्शन करने का पूरा मौका है और आइची-नागाया में होने वाले एशियन गेम्स देश के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने का सही मौका होगा।

पैरालंपिक भाला फेंक में सुंदर ने बनाया है विशेष स्थान



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पिछले कुछ समय में पैरालंपिक खेलों में भी अपनी श्रेष्ठता साबित की है। इसमें भाला फेंक में भारतीय पैरालंपिक खिलाड़ी सुंदर सिंह गुर्जर का प्रदर्शन शानदार रहा है। सुंदर सिंह ने लगातार दो पैरालंपिक खेलों को भाला फेंक स्पर्धा में पदक जीते हैं। सुंदर सिंह ने कोच की सलाह पर साल 2012 में जैवलिन श्रो शुरू किया। शुरुआत में वह सामान्य श्रेणी में खेलते थे पर साल 2015 में एक हादसे में उनका बायां हाथ कट गया। इस घटना के बाद उन्होंने कोच महावीर प्रसाद सैनी ने उनका हौसला बढ़ाया और पैरा एथलेटिक्स में भाग लेने को कहा।

इसके बाद सुंदर ने पैरा एथलेटिक्स में कदम रखा। इसके बाद वह जैवलिन की एफ46 कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करने लगे। गुर्जर ने साल

2016 में रियो पैरालंपिक के लिए क्लासिफाई किया था पर वह वहां आयोज्य घोषित हो गये थे। उन्होंने इसी साल लंदन में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले 2019 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, दुबई में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। 2018 एशियन पैरा गेम्स में रजत और 2023 हांगझो एशियन पैरा गेम्स में सुंदर ने 68.60 मीटर श्रो करके विश्व रिकॉर्ड बनाया। सुंदर ने टोक्यो 2020 पैरालंपिक में 64.01 मीटर श्रो के साथ कांस्य पदक जीता और फिर इसके बाद पेरिस में आयोजित 2024 पैरालंपिक में 64.96 मीटर के साथ कांस्य जीता। हाल ही में 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी उन्होंने रजत पदक जीता।

श्रेयस अय्यर की फिलहाल वापसी की उम्मीद नहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर रहेंगे

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया दौरे में चोटिल होने के बाद से ही बाहर चल रहे भारतीय टीम के मध्यक्रम के अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के अभी वापसी करने की कोई उम्मीद नहीं है। अय्यर को ऑस्ट्रेलिया दौरे में आंत में चोट लग गयी थी। उसके बाद से ही वह अभी तक पूरी तरह से नहीं उबरें हैं। इसी कारण उनकी मैदान पर वापसी में देरी हो रही है। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से भी उन्हें खेलने की मंजूरी नहीं मिली है। वहीं पहले कहा गया था कि श्रेयस 30 दिसंबर को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बाहर आ जाएंगे पर अब उन्हें कम से कम एक सप्ताह और वहीं रहना होगा। इसका कारण है कि श्रेयस का वजन करीब 6 किलो वजन घट गया था। उनकी मांसपेशियों में भी कमजोरी आई है। इससे उनकी ताकत अभी भी सही स्तर पर नहीं पहुंची है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'उनकी बल्लेबाजी में कोई परेशानी नहीं है पर ऑस्ट्रेलिया में लगी चोट के बाद से ही उनका वजन करीब छह किलो वजन घट गया है। इसलिए मैडिकल टीम अभी तक उन्हें फिट नहीं मानी है।' पहले कहा जा रहा था कि श्रेयस के 3 और 6 जनवरी को बिजय हजारे ट्रॉफी के मैच खेलने की उम्मीद है और फिर 11 जनवरी से वडोदरा में शुरू होने वाली न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में उनकी वापसी की बात कही गयी पर अब, योजना बदल गई है उम्मीद है कि उन्हें 9 जनवरी तक ही खेलने की मंजूरी मिलेगी।

फीफा रैफेरी सूची में एक महिला सहित तीन और भारतीय शामिल



नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) ने बुधवार को बताया कि एक महिला सहित तीन भारतीय रैफेरी को फीफा की 2026 अंतरराष्ट्रीय मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया है। गुजरात की रचना कमानो की महिला रैफेरी की फीफा सूची में शामिल किया गया है जबकि पुडुचेरी के अधिन कुमार और दिल्ली के आदित्य पुरकायस्थ को पुरुष रैफेरी के रूप में जगह मिली है। AIFF ने कहा कि अधिन कुमार और आदित्य पुरकायस्थ ने मलेशिया के कुआलालंपुर में एएफसी रैफेरी अकादमी का कोर्स पूरा कर लिया है जबकि रचना कमानो वर्तमान में यह कोर्स कर रही हैं। इसके अलावा पुडुचेरी के मुरलीधरन पांडुगंग और महराष्ट्र के पीटर क्रिस्टोफर को फीफा सहायक रैफेरी के रूप में शामिल किया गया है। इस तरह 2026 के लिए फीफा अंतरराष्ट्रीय मैच अधिकारियों की सूची में भारत के कुल 19 अधिकारी शामिल हो गए हैं। इसमें आठ रैफेरी, 10 सहायक रैफेरी और एक फुटसाल रैफेरी शामिल हैं।

मुंबई इंडियन्स ने डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले क्रिस्टन बीम्स को बनाया स्पिन गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग 2026 की तैयारियों में जुटी दल चैंपियन मुंबई इंडियन्स ने अपने कोचिंग स्टाफ में अहम बदलाव करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूर्व लेग स्पिनर क्रिस्टन बीम्स को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और कोचिंग के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाली बीम्स की एंटी से मुंबई इंडियन्स की महिला टीम को स्पिन विभाग में मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बीम्स ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट अभियानों का हिस्सा रह चुकी हैं और 2017 महिला एकदिवसीय विश्व कप में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर रही थीं। क्रिस्टन बीम्स का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही ज्यादा लंबा न रहा हो, लेकिन वह अपनी निरंतरता और क्रिकेट की समझ के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए एक टेस्ट मैच खेला, जिसमें 11 ओवर की गेंदबाजी करने के बावजूद उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने 30 महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42 विकेट अपने नाम किए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 15 रन देकर चार विकेट रहा। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी बीम्स का योगदान अहम रहा, जहां उन्होंने 18 मैचों में 20 विकेट लिए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11 रन देकर तीन विकेट का रहा। धरेलू स्तर पर उन्होंने महिला बिग बैश टीम में 45 टी20 मुकाबले खेले और अपनी उपयोजिता साबित की। खेल से संन्यास लेने के बाद बीम्स ने कोचिंग में खुद को स्थापित किया। वह महिला बिग बैश टीम और द इंडेड जैसे बड़े टूर्नामेंट में कोचिंग की जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। इसके अलावा वह ऑस्ट्रेलिया की महिला अंडर-19 टीम की कोच रह चुकी हैं और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में नेशनल डेवलपमेंट लीव की भूमिका भी निभा चुकी हैं। क्रिकेट तस्मानिया में कस्पुनिटी क्रिकेट मैनेजर के रूप में काम कर चुकी बीम्स अब मुंबई इंडियन्स के साथ अपने अनुभव का इस्तेमाल करेंगी। डब्ल्यूपीएल का चौथा सत्र नौ जनवरी से पांच फरवरी तक खेला जाएगा, और इससे पहले बीम्स की नियुक्ति को मुंबई इंडियन्स की खिलात बचाने की रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग 2026 की तैयारियों में जुटी दल चैंपियन मुंबई इंडियन्स ने अपने कोचिंग स्टाफ में अहम बदलाव करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूर्व लेग स्पिनर क्रिस्टन बीम्स को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और कोचिंग के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाली बीम्स की एंटी से मुंबई इंडियन्स की महिला टीम को स्पिन विभाग में मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बीम्स ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट अभियानों का हिस्सा रह चुकी हैं और 2017 महिला एकदिवसीय विश्व कप में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर रही थीं। क्रिस्टन बीम्स का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही ज्यादा लंबा न रहा हो, लेकिन वह अपनी निरंतरता और क्रिकेट की समझ के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए एक टेस्ट मैच खेला, जिसमें 11 ओवर की गेंदबाजी करने के बावजूद उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने 30 महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42 विकेट अपने नाम किए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 15 रन देकर चार विकेट रहा। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी बीम्स का योगदान अहम रहा, जहां उन्होंने 18 मैचों में 20 विकेट लिए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11 रन देकर तीन विकेट का रहा। धरेलू स्तर पर उन्होंने महिला बिग बैश टीम में 45 टी20 मुकाबले खेले और अपनी उपयोजिता साबित की। खेल से संन्यास लेने के बाद बीम्स ने कोचिंग में खुद को स्थापित किया। वह महिला बिग बैश टीम और द इंडेड जैसे बड़े टूर्नामेंट में कोचिंग की जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। इसके अलावा वह ऑस्ट्रेलिया की महिला अंडर-19 टीम की कोच रह चुकी हैं और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में नेशनल डेवलपमेंट लीव की भूमिका भी निभा चुकी हैं। क्रिकेट तस्मानिया में कस्पुनिटी क्रिकेट मैनेजर के रूप में काम कर चुकी बीम्स अब मुंबई इंडियन्स के साथ अपने अनुभव का इस्तेमाल करेंगी। डब्ल्यूपीएल का चौथा सत्र नौ जनवरी से पांच फरवरी तक खेला जाएगा, और इससे पहले बीम्स की नियुक्ति को मुंबई इंडियन्स की खिलात बचाने की रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग 2026 की तैयारियों में जुटी दल चैंपियन मुंबई इंडियन्स ने अपने कोचिंग स्टाफ में अहम बदलाव करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूर्व लेग स्पिनर क्रिस्टन बीम्स को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और कोचिंग के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाली बीम्स की एंटी से मुंबई इंडियन्स की महिला टीम को स्पिन विभाग में मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बीम्स ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट अभियानों का हिस्सा रह चुकी हैं और 2017 महिला एकदिवसीय विश्व कप में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर रही थीं। क्रिस्टन बीम्स का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही ज्यादा लंबा न रहा हो, लेकिन वह अपनी निरंतरता और क्रिकेट की समझ के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए एक टेस्ट मैच खेला, जिसमें 11 ओवर की गेंदबाजी करने के बावजूद उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने 30 महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42 विकेट अपने नाम किए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 15 रन देकर चार विकेट रहा। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी बीम्स का योगदान अहम रहा, जहां उन्होंने 18 मैचों में 20 विकेट लिए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11 रन देकर तीन विकेट का रहा। धरेलू स्तर पर उन्होंने महिला बिग बैश टीम में 45 टी20 मुकाबले खेले और अपनी उपयोजिता साबित की। खेल से संन्यास लेने के बाद बीम्स ने कोचिंग में खुद को स्थापित किया। वह महिला बिग बैश टीम और द इंडेड जैसे बड़े टूर्नामेंट में कोचिंग की जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। इसके अलावा वह ऑस्ट्रेलिया की महिला अंडर-19 टीम की कोच रह चुकी हैं और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में नेशनल डेवलपमेंट लीव की भूमिका भी निभा चुकी हैं। क्रिकेट तस्मानिया में कस्पुनिटी क्रिकेट मैनेजर के रूप में काम कर चुकी बीम्स अब मुंबई इंडियन्स के साथ अपने अनुभव का इस्तेमाल करेंगी। डब्ल्यूपीएल का चौथा सत्र नौ जनवरी से पांच फरवरी तक खेला जाएगा, और इससे पहले बीम्स की नियुक्ति को मुंबई इंडियन्स की खिलात बचाने की रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग 2026 की तैयारियों में जुटी दल चैंपियन मुंबई इंडियन्स ने अपने कोचिंग स्टाफ में अहम बदलाव करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूर्व ले

संक्षिप्त समाचार

नेपाल : जेन-जी प्रदर्शनों पर पूर्व गृह मंत्री जांच पैनल के समक्ष पेश

काठमांडू, एजेसी। नेपाल के पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक सोमवार को उच्च स्तरीय जांच आयोग के समक्ष पेश हुए। उन पर जेन-जी आंदोलनों के दौरान सुरक्षाबलों को अत्यधिक बल प्रयोग की अनुमति देने का आरोप है। गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाला यह आयोग 8 और 9 सितंबर को हुई हिंसक घटनाओं की जांच कर रहा है। इन प्रदर्शनों में भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ सड़कों पर उतरने 77 लोगों की मौत हुई थी। अगले हफ्ते पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से भी पूछताछ होने की उम्मीद है।

भारत से संबंधों में टैरिफ की वजह से तनाव : अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन, एजेसी। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने भारत और अमेरिका के वर्तमान संबंधों को थोड़ा तनावपूर्ण बताया है। निजी यात्रा पर कर्नाटक आए थानेदार ने कहा कि अमेरिका के जरिये लगाए गए भारी टैरिफ से व्यापारिक रिश्तों पर बुरा असर पड़ रहा है। उन्होंने दोनों देशों के बीच अधिक दोस्तों और भरोसे की जरूरत पर जोर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारतीय सामानों पर टैरिफ बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया था।

इंडोनेशिया : नाव डूबने से लापता फुटबल कोच की तलाश तेज

जकार्ता, एजेसी। इंडोनेशिया में तीन दिन पहले डूबी नाव के मलबे से बचाव दल ने एक लड़की का शव बरामद किया है। माना जा रहा है कि यह रफेलिना फुटबॉल कोच फर्नांडो मार्टिन की लापता बेटी का शव है। सोमवार तड़के सेराई द्वीप के पास एक स्थानीय निवासी ने शव तैरता देखा। उसे पहचान के लिए लाबुआन बाजो के अस्पताल भेजा गया है। गौरतलब है कि, वेलोसिया सीएफ विमेंस बी के कोच मार्टिन का परिवार कोमोडो नेशनल पार्क की यात्रा पर था। शुक्रवार शाम इंजन फेल होने के कारण उनकी नाव डूब गई थी। हादसे के बाद मार्टिन की पत्नी एड्रिया, एक बेटी और चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया था।

तुर्किये में आईएस से मुठभेड़ में छह आतंकी ढेर

अंकारा, एजेसी। तुर्किये के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी हिस्से में हुई एक मुठभेड़ में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के छह आतंकीयों और पुलिस के तीन अधिकारियों की मौत हो गई। यह मुठभेड़ सोमवार को इस्तांबुल के दक्षिण में यालोवा प्रांत में एक घर में छिपी आतंकीयों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान हुई। येरलिकाया ने कहा, मुठभेड़ में पुलिस के आठ अन्य अधिकारी और एक गाई घायल हो गए हैं। गृह मंत्री के मुताबिक, यालोवा में चलाया गया अभियान देश भर के 15 प्रांतों में आईएस सदस्यों के खिलाफ हुई 100 से अधिक कार्रवाईयों में से एक था। घर पर चलाए गए अभियान में सावधानी बरती गई, क्योंकि वहां महिलाएं और बच्चे मौजूद थे। सभी 5 महिलाओं व 6 बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया। बताया गया कि सभी आतंकीयों को दसक के नागरिक थे। इन बीच, न्याय मंत्री यिलमाज टुनक ने कहा, पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। इन बीच, झड़प सड़कों पर फेलने के कारण इलाके के पांच स्कूल दिन भर के लिए बंद कर दिए गए। क्षेत्र में प्राकृतिक गैस और बिजली की आपूर्ति भी काट दी गई, जबकि नागरिकों और वाहनों को इलाके में प्रवेश करने से रोक दिया गया। बता दें कि तुर्किये जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी आतंक का पक्ष लेता रहा है।

अर्जेंटीना के राजदूत ने भारत के रुख की सराहना की

ब्यूसन आर्यर्स, एजेसी। अर्जेंटीना ने मालिनास (फॉकलैंड द्वीप) पर अपने लंबे समय से चले आ रहे दावे को दोहराते हुए उपनिवेशवाद के खिलाफ भारत की ऐतिहासिक भूमिका की सराहना की है। इसके साथ ही भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो कॉसिनो ने सोमवार को भारत की संयुक्त राष्ट्र (यूएन) सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग को भी जायज बताया। कॉसिनो ने कहा कि ये द्वीप 1816 में स्पेन की आजादी के बाद अर्जेंटीना को विरासत में मिले थे, लेकिन 1833 में ब्रिटेन ने इन पर अवैध कब्जा कर लिया। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना इस मुद्दे को लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है। उन्होंने बताया कि 1950-60 के दशक में संयुक्त राष्ट्र में उसे इस मामले में मिला भारत का समर्थन बेहद अहम रहा, क्योंकि उस वक्त भारत एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में उपनिवेशवाद के खिलाफ की एक बड़ी आवाज बनकर उभरा था। इस वर्ष इस विवाद पर शांतिपूर्ण समाधान के आह्वान वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली चर्चा के 60 साल पूरे हो रहे हैं।

कभी गृहिणी थीं खालिदा जिया, पति की हत्या के बाद बनीं 'आयरन लेडी'

ढाका, एजेसी। 30 दिसंबर 2025 की सुबह बांग्लादेश के लिए एक युग का अंत लेकर आईं। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री और तीन बार सत्ता संभालने वाली बेगम खालिदा जिया का 80 वर्ष की आयु में ढाका के एक्स्प्रेस अस्पताल में निधन हो गया। लंबी बीमारी से जूझते हुए उन्होंने सुबह करीब 6 बजे अंतिम सांस ली। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और लाखों समर्थकों की 'देशमाता' के रूप में जानी जाने वाली खालिदा जिया का जाना न केवल एक राजनीतिक नेता का अवसान है, बल्कि बांग्लादेश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समापन भी है। राजनीतिक जीवन की शुरुआत: विधवा से नेता तक



बांग्लादेश की राजनीति में दो महिलाओं का लंबा द्रढ़ रहा है- एक तरफ शेख हसीना, दूसरी तरफ बेगम खालिदा जिया। जहां हसीना को 'बंगबंधु की बेटी' कहा जाता है, वहीं खालिदा जिया को 'आयरन लेडी' या 'डेमोक्रेसी की मां' के रूप में जाना जाता है। खालिदा जिया का जन्म 15 अगस्त 1945 को जलपाईगुड़ी (तत्कालीन अविभाजित बांग्ला, अब भारत) में हुआ था। उनका परिवार बाद में दिनाजपुर (बांग्लादेश) में बस गया। 1959 में मात्र 15 साल की उम्र में उन्होंने पाकिस्तानी सेना के कैप्टन जियाउर रहमान से शादी की। जियाउर रहमान बांग्लादेश मुक्ति संग्राम

के नायक बने और 1977 में राष्ट्रपति बने। खालिदा तब तक घरेलू जीवन जी रही थीं, दो बेटों- तारिक और अराफत रहमान (कोको) की परवरिश कर रही थीं। लेकिन 30 मई 1981 को चटगांव में सैन्य तख्तापलट की कोशिश में जियाउर रहमान की हत्या हो गई। इस सद्मे ने खालिदा को राजनीति में धकेल दिया। पति की मौत के बाद बीएनपी बिखरने की कगार पर थी। पार्टी कार्यकर्ताओं के आग्रह पर खालिदा ने 1982 में पार्टी की सदस्यता ली और 1984 में अध्यक्ष बन गईं। उन्होंने तत्कालीन सैन्य शासक हुसैन मुहम्मद एर्शाद के खिलाफ लोकतंत्र बहाली आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने एर्शाद की तानाशाही के खिलाफ लंबा आंदोलन चलाया, कई बार ह्रास अरेस्ट झेलीं। 1990 में एर्शाद का पतन हुआ और 1991 के चुनाव में बीएनपी की जीत से खालिदा बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। उनका पहला कार्यकाल

कारणों से रिहा कर घर में नजरबंद रखा गया। 2024 में छत्र आंदोलन से हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद खालिदा को पूर्ण रिहाई मिली और सभी मामले खत्म हो गए। अंतरिम सरकार ने उन्हें वीवीआईपी सुरक्षा दी। लेकिन स्वास्थ्य ने साथ नहीं दिया। नवंबर 2025 से वे गंभीर बीमारियों (लीवर सिरोसिस, किडनी फेलियर, डायबिटीज, हृदय और फेफड़ों की समस्या) से जूझ रही थीं। वेंटिलेटर पर रहीं, डायलिसिस चली, लेकिन अंततः शरीर ने जवाब दे दिया।

तारिक रहमान की वापसी और बीएनपी का भविष्य : खालिदा की मौत से ठीक पांच दिन पहले, 25 दिसंबर को उनके बड़े बेटे तारिक रहमान 17 साल के लंदन निवासन से वापस लौटे। राजनीतिक उत्पीड़न के आरोपों में फंसे तारिक 2008 से बाहर थे और लंदन से ही बीएनपी चला रहे थे। हसीना के जाने के बाद सभी मामले खत्म होने पर वे ढाका लौटे। लाखों समर्थकों ने उनका स्वागत किया। वे अपनी बीमारी में से अस्पताल में मिले और पार्टी की कमान संभाली। फरवरी 2026 में होने वाले चुनाव में बीएनपी मजबूत दावेदार है। तारिक रहमान को अगला प्रधानमंत्री उम्मीदवार माना जा रहा है। उनकी वापसी ने पार्टी में नई ऊर्जा भरी है। लेकिन चुनौतियां कम नहीं हैं- देश में अस्थिरता, हिंसा और आर्थिक संकट बरकरार है।

फरवरी में चुनाव के लिए बांग्लादेश तैयार : युनुस

ढाका, एजेसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद युनुस ने स्पष्ट किया है कि देश फरवरी में होने वाले संसदीय चुनावों और जनमत संग्रह के लिए पूरी तरह तैयार है। सोमवार को अमेरिकी चार्ज डी अफेयर्स ट्रेसी एन जैकबसन ने अपनी विदाई मुलाकात के दौरान प्रोफेसर युनुस से भेंट की। दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और चुनावी तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई।



बताया और कहा कि इससे विदेशी निवेश बढ़ेगा। बैठक में रोहिंया शरणार्थियों की सहायता और व्यापार पर भी चर्चा हुई। युनुस ने जैकबसन को उनके कार्यकाल के लिए बांग्लादेश का मित्र बताते हुए धन्यवाद दिया। हालांकि, यह चुनावी घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब बांग्लादेश आंतरिक अशांति और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है।

उत्तर कोरिया ने फिर दिखाया हथियारों का दम, लंबी दूरी की कूज मिसाइल का किया परीक्षण

सियोल, एजेसी। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया है। इसके तहत उत्तर कोरिया ने समुद्र में लंबी दूरी की रणनीतिक कूज मिसाइलों का परीक्षण किया है। यह परीक्षण देश की परमाणु ताकत को परखने के लिए किया गया। यह कदम ऐसे समय उठा है, जब उत्तर कोरिया अपनी पहली परमाणु परण्डुम्बी के निर्माण में तेजी दिखा रहा है, जिससे कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ गया है। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार, ये मिसाइल परीक्षण रविवार को देश के पश्चिमी तट के पास किए गए। जब ये परीक्षण किया गया तब वहां खुद उत्तर कोरिया के नेता नेता किम जोंग उन मौजूद थे। उन्होंने इस परीक्षण को लेकर कहा कि देश की परमाणु ताकत की विश्वसनीयता को जांचना और अपनी सैन्य क्षमता दिखाना।

पंजाब दौरे के दौरान केपीके सीएम ने उठाए सवाल

इस्लामाबाद, एजेसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने पंजाब सरकार के रवैये पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब दौरे के दौरान उनके और उनके मंत्रियों के साथ गलत और निंदनीय व्यवहार किया गया। सोमवार को हुई केपीके कैबिनेट बैठक में पंजाब सरकार के व्यवहार को अलोकतांत्रिक, अनैतिक और निंदनीय बताया गया। मुख्यमंत्री अफरीदी का आरोप है कि दौरे के दौरान उनके कैबिनेट सदस्यों के साथ मारपीट और बदसलूकी की गई। उन्होंने कहा कि उनकी यात्रा के दौरान बार-बार रास्ते रोके गए, बाजार जबर्न बंद कर दिए गए, मोटरवे के विनाश स्थल बंद कर दिए गए और यहां तक कि मजार-ए-इकबाल में लाइटें भी बंद कर दी गईं। अफरीदी ने कहा कि जब देश आर्थिक और

राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहा है, ऐसे समय में इस तरह का व्यवहार बेहद चिंताजनक और समझ से परे है। बता दें कि अफरीदी समेत पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता पंजाब में पार्टी संस्थापक इमरान खान की रिहाई के लिए आंदोलन शुरू करने पहुंचे थे। इमरान खान अगस्त 2023 से भ्रष्टाचार के कई मामलों में जेल में बंद हैं।

ट्रंप-नेतन्याहू की बैठक में वेस्ट बैंक पर हुई

वाशिंगटन, एजेसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली पीएम बेजाकिन नेतन्याहू के बीच फ्लोरिडा में गाजा शांति योजना को लेकर मुलाकात हुई। यह मुलाकात ट्रंप के निजी आवास मार एलागो में हुई, जहां दोनों नेताओं ने दोपहर का भोजन किया। बैठक से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह गाजा, वेस्ट बैंक और ईरान सहित पांच प्रमुख मुद्दों पर बात करने की योजना बना रहे हैं।



वेस्ट बैंक समेत इन मुद्दों पर हुई बात : ट्रंप और नेतन्याहू ने गाजा शांति योजना के दूसरे चरण, हमसस के निरस्त्रीकरण, वेस्ट बैंक पर भी बात की। ट्रंप ने कहा कि कई मुद्दों पर उनके और नेतन्याहू के बीच सहमति नहीं है, लेकिन दोनों की बातचीत जारी है। ट्रंप ने कहा, 'हमने वेस्ट बैंक पर लंबे समय तक बड़ी चर्चा की है, और मैं यह नहीं कहूंगा कि हम वेस्ट बैंक पर 100% सहमत हैं, लेकिन हम वेस्ट बैंक पर किसी नतीजे पर जरूर पहुंचेंगे।' उन्होंने कहा,

'इसाइल जो कुछ भी कर रहा है, उसके बारे में मुझे कोई चिंता नहीं है। मुझे इस बात की चिंता है कि दूसरे लोग क्या कर रहे हैं या शायद नहीं कर रहे हैं। नेतन्याहू ने बातचीत को बहुत ही फलदायी बताया और क्षेत्र में ट्रंप की भूमिका की प्रशंसा की। नेतन्याहू ने कहा, 'मेरी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बहुत, बहुत अच्छी बैठक हुई। आपके समर्थन के लिए धन्यवाद।' उन्होंने आगे कहा कि 'ट्रंप ने मध्य पूर्व में उल्लेखनीय

चीजें हासिल की हैं क्योंकि हम एक साथ काम करते हैं। कभी-कभी हमारे विचार अलग होते हैं, लेकिन हम इसे सुलझा लेते हैं, और ज्यादातर समय, हम एक-दूसरे से सहमत होते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अगर ईरान अपने बैलिस्टिक मिसाइल या परमाणु हथियार कार्यक्रम का पुनर्निर्माण फिर से शुरू करता है तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

यूएन को अमेरिका से 2 अरब डॉलर की मदद

वाशिंगटन, एजेसी। ट्रंप प्रशासन द्वारा अमेरिकी विदेशी सहायता में लगातार कटौती किए जाने के बीच सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता कार्यक्रमों के लिए दो अरब डॉलर देने की घोषणा की। यह घोषणा नए आर्थिक हालात में यूएन निकायों को परिस्थितियों के अनुसार ढलने, खुद को सीमित करने या समाप्त होने की चेतावनी देने के बाद की गई है। आलोचकों का कहना है कि पश्चिमी देशों की सहायता में कटौती से लाखों लोग भूख, विस्थापन या बीमारी की ओर धकेल दिए गए हैं। यह धनराशि अमेरिका की ओर से अतीत में दिए गए योगदान की तुलना में बेहद कम है लेकिन प्रशासन यह मानता है कि यह धनराशि उतनी कम नहीं है और अमेरिका को मानवीय कार्यों के लिए दुनिया के सबसे बड़े दानदाता के

रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने में सक्षम बनाएगी। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, यह दो अरब डॉलर संयुक्त राष्ट्र समर्थित कार्यक्रमों के लिए पारंपरिक मानवीय सहायता का एक छोटा सा हिस्सा है, जो हाल के वर्षों में वार्षिक रूप से 17 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इनमें से 8-10 अरब डॉलर स्वीच्छिक योगदान के रूप में है। इसके अलावा अमेरिका अपनी संयुक्त राष्ट्र सदस्यता से संबंधित वार्षिक शुल्क के रूप में भी अरबों डॉलर का भुगतान करता है।

जुबीन गर्ग मौत मामले की सिंगापुर कोर्ट 14 से करेगा न्यायिक जांच : सिंगापुर, एजेसी। असम के लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग की मौत की गुथी सुलझाने के लिए सिंगापुर की अदालत 14 जनवरी से कोरोना इंबावरी (मौत के कारणों की न्यायिक जांच) शुरू करेगी। 52 वर्षीय जुबीन का निधन 19 सितंबर को सिंगापुर के सेंट जॉन्स आइलैंड पर समुद्र में तैरने के दौरान हुआ था। वे सिंगापुर में एक सांस्कृतिक उत्सव में प्रस्तुति देने गए थे। सिंगापुर पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में किसी भी तरह की साजिश का संदेह नहीं मिला है। कोरोना एडम नाखोडा के नेतृत्व में होने वाली यह सुनवाई तथ्यों का पता लगाएगी कि मौत कब, कहाँ और किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस ने जनता से इस मामले में किसी भी तरह की अटकलें न लगाने की अपील की है। न्यायिक प्रक्रिया के तहत यह जांच खुली अदालत में होगी।

न्यू जर्सी में दो हेलिकॉप्टर हवा में टकराए; एक पायलट की मौत, दूसरा गंभीर : न्यू जर्सी, एजेसी। अमेरिका के न्यू जर्सी स्थित हैमॉन्टन में रविवार को दो हेलिकॉप्टर हवा में टकरा गए। हादसे में एक पायलट की मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टर में सिर्फ पायलट ही सवार थे। हैमॉन्टन पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 11:25 बजे हेलिकॉप्टर हादसे की सूचना मिली। मौके से सामने आए वीडियो में एक हेलिकॉप्टर तेजी से गोल-गोल घूमते हुए जमीन की ओर गिरता दिखा। टक्कर के बाद एक हेलिकॉप्टर में आग लग गई, जिसे पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने बुझाया।

सऊदी अरब ने यमन के मुकल्ला में की बमबारी



रियाद, एजेसी। सऊदी अरब ने यमन के महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर मुकल्ला पर बमबारी की है। सऊदी अरब का कहना है कि यह हमला इसलिए किया गया क्योंकि वहां अलगाववादी का समर्थन कर रहे हैं और उनके बीच आपस में ही प्रतिस्पर्धा चल रही है। बता दें कि मुकल्ला यमन के हद्रामाउट प्रांत में है और यह आदेन से लगभग 480 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। हाल ही में अलगाववादी समूह ने इस इलाके पर नियंत्रण कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में इस बात का भी दावा किया गया कि इससे पहले सऊदी अरब ने शुक्रवार को इसी समूह पर हवाई हमले किए थे, ताकि वे प्रांतों से अपने सैनिक पीछे हटाए। वहीं दूसरी ओर अलगाववादी समूह ने दक्षिण यमन का झंडा फहराना शुरू कर दिया है। दक्षिण यमन कभी 1967-1990 तक अलग देश था। वहां लोग फिर से अलगाव की मांग कर रहे हैं। यूएई और सऊदी अरब अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में गौरतलब है कि सऊदी अरब और यूएई दोनों ही यमन और अन्य क्षेत्रों में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में हैं।

सऊदी अरब और यूएई के रिश्तों में दबाव बढ़ा : इस हमले से सऊदी अरब और यूएई के बीच रिश्तों पर दबाव बढ़ गया है। दोनों देश यमन में अलग-अलग समूहों का समर्थन कर रहे हैं और उनके बीच आपस में ही प्रतिस्पर्धा चल रही है। बता दें कि मुकल्ला यमन के हद्रामाउट प्रांत में है और यह आदेन से लगभग 480 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। हाल ही में अलगाववादी समूह ने इस इलाके पर नियंत्रण कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में इस बात का भी दावा किया गया कि इससे पहले सऊदी अरब ने शुक्रवार को इसी समूह पर हवाई हमले किए थे, ताकि वे प्रांतों से अपने सैनिक पीछे हटाए। वहीं दूसरी ओर अलगाववादी समूह ने दक्षिण यमन का झंडा फहराना शुरू कर दिया है। दक्षिण यमन कभी 1967-1990 तक अलग देश था। वहां लोग फिर से अलगाव की मांग कर रहे हैं। यूएई और सऊदी अरब अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में गौरतलब है कि सऊदी अरब और यूएई दोनों ही यमन और अन्य क्षेत्रों में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में हैं।

ताइवान की सीमा पर चीन का सैन्य अभ्यास जारी

हांगकांग, एजेसी। चीन और ताइवान के बीच सीमा पर तनाव और बढ़ गया है, जिसके चलते ताइवान जलडमरूमध्य एक बार फिर युद्ध जैसे हालात की आहट से गुंज उठा है। कारण है कि चीन ने लगातार दूसरे दिन यानी मंगलवार को भी ताइवान के चारों ओर बढ़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास कर ताकत का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास में चीन की वायुसेना, नौसेना और मिसाइल इकाइयों ने मिलकर लाइव-फायर ड्रिल (सीधे हथियारों से अभ्यास) की। बीजिंग ने इस सैन्य अभ्यास को ताइवान की स्वतंत्रता की कोशिशों और विदेशी दखल के खिलाफ चेतावनी बता रहा है, जबकि ताइवान ने सेना को हाई अलर्ट पर रखकर चीन को क्षेत्रीय शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा करार दिया है। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या यह झ्रान का सिर्फ अभ्यास है या किसी बड़े

टकराव का संकेत? **ताइवान की हवाई यातायात पर बड़ा असर** : चीन की तरफ से किए जा रहे इस शक्ति प्रदर्शन का असर ताइवान में चारों ओर देखने को मिल रहा है। खासकर हवाई यातायात पर। ताइवान की विमानन एजेंसी के अनुसार, इस सैन्य अभ्यास के कारण अब तक 1 लाख से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की उड़ानें रद्द या डायवर्ट हुई हैं। करीब 850 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुईं और 80 से ज्यादा घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं। इतना ही नहीं चीन ने ताइवान जलडमरूमध्य के आसपास सात अस्थायी 'खतरनाक क्षेत्र' घोषित किए, जहां रॉकेट अभ्यास किया गया है। **'जस्टिस मिशन 2025' नाम का अभ्यास** : बता दें कि इन दो दिनों के सैन्य अभ्यास को चीन ने 'जस्टिस मिशन



2025' नाम दिया है। यह अभ्यास ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका ताइवान के साथ अब तक का सबसे बड़ा हथियार सौदा करने की तैयारी में है। दूसरी ओर जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाहाची ने कहा कि अगर चीन ने ताइवान पर कार्रवाई की तो जापान

की सेना भी दखल दे सकती है। ऐसे में माना जा रहा है कि दोनों देशों के इन तैयारियों के चलते चीन काफी नाराज है। वहीं बात अगर अब चीन के सैन्य अभ्यास की करें तो चीन की सेना ने बताया कि अबतक अभ्यास में लड़कू विमान,

पुलिस कास्टेबल की कार से टक्कर होने से बाइक सवार की मौत

बेंगलूर (एजेंसी)। मंगलुरु में कथित तौर पर एक पुलिस कास्टेबल की कार की मोटरसाइकिल से आमने-सामने की टक्कर में दुर्घिया वाहन पर सवार एक युवक की मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि मृतक की पहचान इमरान मोहम्मद ताह निवासी मर्नाबेलू के रूप में हुई है। घटना के समय कार मंगलुरु में जिला अपराध रिपोर्ट (डीसीआर-1) इकाई में तैनात कास्टेबल प्रसन्ना चला रहा था। यह टक्कर इतनी जबरन थी कि मोटरसाइकिल सवार उछलकर कार के शीशे पर जा गिरा और फिर सड़क पर आ गिरा जिससे उसके सिर में चोट लगी और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। आरोप है कि कास्टेबल घुंटाणा के बाद मोके से फरार हो गया। हालांकि, घटनास्थल पर लोगों ने कार के भीतर शराब की एक बोतल और पुलिस की टोपी देखी और वीडियो बनायी, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गयी। इस वीडियो के संज्ञान में आने के बाद पुलिस अधीक्षक ने जांच का आदेश दिया। पुलिस ने कहा कि वीडियोग्राफर और मृतक के परिजनों की उपस्थिति में कास्टेबल का अफवाहल टैट करवाया गया। हालांकि, जांच में नकारात्मक परिणाम आए और पुलिस अधीक्षक ने रक्त की जांच का आदेश दिया। पुंजलकट्टे पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

सेंट्रल जेल से फरार हुए तीन कैदी

हजारीबाग (एजेंसी)। झारखंड के हजारीबाग में स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय जेल से 3 कैदी फरार हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही जेल प्रशासन, पुलिस और जिला प्रशासन में हड़कप मच गया है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हजारीबाग सेंट्रल जेल के अधीक्षक चंद्रशेखर सुमन ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि तीन कैदी झारखंड के धनबाद जिले के रहने वाले हैं। तीनों कैदी जेल की पांच स्तरीय सुरक्षा दीवार को भेदकर फरार हुए हैं। हजारीबाग जेल में हुई इस घटना ने पूरी प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं क्योंकि इस जेल को हाई सिक्योरिटी के लिए जाना जाता है। इस जेल में कई हाई प्रोफाइल कैदी भी बंद हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय जेल में पांच स्तरीय सुरक्षा कवच है। कोई भी व्यक्ति जो जेल परिसर के अंदर जाता है, उसे पांच स्तर के सुरक्षा घेरे से गुजरना पड़ता है। जेल में आने वाले किसी भी शख्स को जांच के घेरे से गुजरना होता है।

इंदौर में दूधित पानी पीने से हुई मौत पर तीन अफसरों पर कार्रवाई

इंदौर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश की कारोबारी नगरी इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूधित पानी पीने से हुई मौतों के मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सख्त एक्शन लेकर तीन अधिकारियों पर कार्रवाई कर दी है। दरअसल, भागीरथपुरा इलाके में दूधित पानी पीने के बाद लोगों को उट्टी की शिकायत हुई, जिसमें कई लोग अस्पताल में पहुंचे। अस्पताल पहुंचे लोगों में से तीन की अभी तक मौत हो चुकी है। इस घटनाक्रम पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बीमार मरीजों के उपचार और मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता भी देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि इंदौर शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई घटना बेहद दुःख है। उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इलाजगत प्रभावितों के शीघ्र चिकित्सा होने की कामना की। इसके साथ ही सीएम ने हादसे में क्षेत्र का दायित्व संभालने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस बारे में कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि भागीरथपुरा मामले में जौनल अधिकारी शांतिगंगा सिलोले और सहायक जंजी योगेश जोशी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है और प्रभारी उपजंजी पीपुचंडी शुभम श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से सेवा से पृथक कर दिया है। वहीं इस पूरे मामले की जांच के लिए तीन सदस्यों की समिति गठित की गई है। समिति आइएएस नवीनानंद पंवार के निदेशन में जांच करेगी। बताया गया है कि इंदौर में पानी की आपूर्ति खराब जिले के जट्टुद रिश्ता नर्मदा पीपिंग स्टेशन से की जाती है और आशंका इस बात की है कि पाइपलाइन में कहीं गंदा पानी मिल गया था और इस कारण लोगों की तबीयत बिगड़ी है।

असम में टोना-टोटका करने के शक में एक दंपती को जिंदा जलाया

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के करबी आंगलोग जिले से अंधविश्वास और डायन प्रथा से जुड़ी बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां कुछ लोगों ने टोना-टोटका करने के शक में एक दंपती को जिंदा जलाया है यह घटना हावराघाट इलाके के नंबर 1 बेलोगुरी मुंडा गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने सबसे पहले दंपती पर उनके ही घर के अंदर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इसके बाद घर में आग लगा दी गई। आग की चपेट में आने से दोनों की मौत पर ही मौत हुई है। मृतकों की पहचान 43 वर्षीय गौदी और 33 वर्षीय मीरा बिरोवा के रूप में हुई है। लोगों का आरोप था कि दंपती टोना-टोटका करते थे और उनके कारण गांव और आसपास के इलाके में बुरी घटनाएं हो रही थीं। इसी अंधविश्वास के चलते गांव के कुछ लोगों ने कानून अपने हाथ में लेकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूरे इलाके को घेरकर आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। जिला प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि यह इलाका अभी भी अंधविश्वास और अफवाहों के प्रभाव में है। यहां लोग जुद्धी मान्यताओं पर भरोसा करते हैं, जिसका खामियाखाना निचूरी लोगों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ता है। पुलिस ने साफ कहा है कि डायन प्रथा और जुद्धेला बताकर किसी को प्रताड़ित करना या मारना कानूनन अपराध है।

बीएमसी चुनाव : मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने 53 उम्मीदवार किए घोषित, दो मुस्लिम भी

मुंबई (एजेंसी)। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने मुंबई नगर निगम चुनावों के लिए अपने 53 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। इस चुनाव में मनसे और शिवसेना ठाकरे गुट गठबंधन में हैं। सूची में एक उत्तर भारतीय और दो मुस्लिम उम्मीदवार भी शामिल हैं। बाकी सभी उम्मीदवार मराठी भाषी हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना द्वारा घोषित 53 उम्मीदवारों की सूची में समावेशित पर जोर दिया गया है। इस सूची में महिला उम्मीदवारों का दबदबा साफ नजर आ रहा है। कुल 53 उम्मीदवारों में से 29 महिलाएं हैं, जबकि 24 पुरुष हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज ठाकरे ने आधी से ज्यादा सीटों पर महिलाओं को अवसर देकर एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। सामान्य वर्ग से 36 उम्मीदवारों की घोषणा की गई है, जिनमें 20 महिलाएं और 16 पुरुष हैं। मनसे ने सूची में अल्पसंख्यक वर्ग को भी अहम स्थान दिया है। कुल 13 आबीसी उम्मीदवारों को टिकट दिए गए हैं, जिनमें 7 महिलाएं और 6 पुरुष शामिल हैं। विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद मनसे के लिए यह चुनाव बहुत अहम माना जा रहा है।

ऑनलाइन डिलीवरी कंपनियों के कर्मचारी हड़ताल पर, 10-मिनट डिलीवरी ऑप्शन हटाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुराने साल की विदाई और नए साल के स्वागत पर ऑनलाइन ऑर्डर सबसे ज्यादा बुक होते हैं, ऐसे में ऑनलाइन डिलीवरी कंपनियों के कर्मचारी हड़ताल पर बैठ गए हैं। ऐसे विरोध प्रदर्शन कई शहरों में फूट डिलीवरी, क्लिक कॉमर्स और ई-कॉमर्स सेवाओं को प्रभावित कर सकता है। हड़ताल में हिस्सा लेने की उम्मीद है। यूनियनों का कहना है कि इससे उन रिटेलर्स और प्लेटफॉर्म को नुकसान हो सकता है जो साल के आखिर में टारगेट को पूरा करने लास्ट-माइल डिलीवरी पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रिग वर्कर्स यूनियन ने बुधवार को होने वाली देशव्यापी हड़ताल से पहले 10-मिनट डिलीवरी ऑप्शन को हटाने और पहले के पेमेंट स्ट्रुक्चर को बहाल करने की अपनी मांग को दोहराया है। यूनियन नेताओं ने कहा कि मौजूदा डिलीवरी मॉडल वर्कर्स पर अमूर्तित्व दबाव डाल रहा है और उनकी कमाई में काफी कमी आई है। तेलंगाना

गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष शेख सलाउद्दीन ने कहा कि फास्ट डिलीवरी मॉडल वर्कर्स को सड़क पर जोखिम लेने के लिए मजबूर कर रहा है, जबकि पेमेंट सिस्टम में बार-बार बदलाव से इनकम में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि देश भर में हजारों वर्कर्स विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे पीक आवर्स के दौरान डिलीवरी सेवाओं में रुकावट आ सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक सलाउद्दीन ने बताया कि प्लेटफॉर्म कंपनियों से हमारी मांग है कि पुराने पेमेंट स्ट्रुक्चर को फिर से लागू किया जाए और सभी प्लेटफॉर्म से 10 मिनट की डिलीवरी का ऑप्शन हटा दिया जाए। हम इस पर चर्चा और बात करने के लिए तैयार हैं। हम राय और केंद्र सरकार से इसमें हस्तक्षेप करने का अनुरोध करते हैं। यह हड़ताल तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन और इंडियन फेडरेशन ऑफ एम्प्लॉयमेंटर्स एसोसिएशन के बुलाई है, जिसे महाराष्ट्र, कर्नाटक, दिल्ली-एनसीआर, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय वर्कर समूहों का समर्थन मिला है।

यूनियन के मुताबिक यह विरोध असुरक्षित डिलीवरी मॉडल, घटती इनकम, मनमाने ढंग से आईटी ब्लॉक करने और सोशल सिंक्रोसिटी को कमी की ओर ध्यान दिलाने के लिए था। फेडरेशन ने यह भी दावा किया कि 25 दिसंबर के विरोध के बाद प्लेटफॉर्म कंपनियों ने वर्कर्स से बात नहीं की। इसके बजाय, उसने आरोप लगाया कि कंपनियों ने धमकियों, अकाउंट डिलीटेशन और एल्गोरिदम-बेस्ड पेनल्टी के साथ जवाब दिया। लेटर में आगे प्लेटफॉर्म पर हड़ताल को कमजोर करने के लिए थर्ड-पार्टी एजेंसियों का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया गया। 31 दिसंबर की हड़ताल से, कस्टमर्स को देरी और कैशलेसता का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि डिलीवरी एग्जीक्यूटिव ऐप से लॉग ऑफ कर दो या अपना काम बहुत कम कर देंगे। पुणे, बेंगलूर, दिल्ली, हैदराबाद और कोलकाता जैसे बड़े शहरों के साथ-साथ कई टियर-2 बाजारों में फूड ऑर्डर, ग्रेसरी डिलीवरी और आखिरी मिनट की शॉपिंग पर असर पड़ने की उम्मीद है। फेडरेशन ने तत्काल सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है और सरकार, प्लेटफॉर्म कंपनियों और



वर्कर यूनियनों को शामिल करते हुए त्रिपक्षीय बातचीत के लिए कहा है। इस लेटर पर आईएफएटी के को-फाउंडर और नेशनल जनरल सेक्रेटरी शेख सलाउद्दीन और कर्नाटक एम्प्लॉयमेंट वर्कर्स यूनियन के फाउंडर और फेडरेशन के नेशनल वाइस-प्रेसिडेंट इनायत अली के साइन हैं। इसकी कॉपी श्रम और रोजगार मंत्रालय के सीनियर अधिकारियों को भी भेजी गई है।

यूपी के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह समेत अन्य पर मामला दर्ज

-पांश कालोनी के रास्ते में दीवार खड़ी करने पर हुआ था विवाद



लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर मंगलवार को शाम लखनऊ में मामला दर्ज कर लिया गया। इसके साथ ही जौनपुर की ब्लॉक प्रमुख मांडवी सिंह के प्रति विनय सिंह और उनके गनर के खिलाफ भी पुलिस ने मामला दर्ज किया है। दरअसल लखनऊ में रास्ते के विवाद को लेकर जौनपुर के महाराजगंज ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विनय सिंह ने दो नामजद और 15 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इसके बाद क्रमशः मुकदमे में मंगलवार को पूर्व सांसद धनंजय सिंह, विनय सिंह और उनके गनर सहित 10 अज्ञात के खिलाफ लखनऊ के सुराष्टी गोलफ सिटी में मामला दर्ज करवाया गया है।

जानकारी अनुसार उत्तर प्रदेश के बाहुबली नेता पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर मंगलवार को शाम लखनऊ में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही जौनपुर की ब्लॉक प्रमुख मांडवी सिंह के प्रति विनय सिंह और उनके गनर के खिलाफ भी मामला दर्ज कर लिया गया। बताया जा रहा है कि मांडवी सिंह जौनपुर में महाराजगंज ब्लॉक की प्रमुख हैं, उनके पति विनय सिंह लखनऊ की पांश कॉलोनी के मार्ग स्थल पर दीवार उठा रहे

थे। इसका कॉलोनी के लोगों ने विरोध किया तो विनय सिंह ने धनंजय सिंह को फोन लगा कर, मौजूद लोगों से उनसे बात करने को कहा, लेकिन लोगों ने धनंजय सिंह से बात करने से मना कर दिया। लोगों ने आरोप लगाया राइफल दिखाकर धमकाया जा रहा है। इस पर विनय सिंह भड़क गए और उन्होंने ईट उठा लोगों की तरफ दौड़े। बताया जा रहा है कि विनय अपने साथ 8 से 10 सरकारी और निजी गनर लेकर पहुंचा। यहां खामसा खामसा हुआ और एक समय कॉलोनी में भगदड़ जैसे हालात बन गए। यह मामला सोमवार, 29 दिसंबर को शाम सुराष्टी गोलफ सिटी थाना क्षेत्र में स्वास्तिका सिटी कॉलोनी का बताया गया है। इसके बाद मंगलवार को कॉलोनी के लोगों ने पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार से मुलाकात कर घटना के वीडियो फुटेज सौंपे। इस पर कमिश्नर ने आदेश दिए जिस पर पूर्व सांसद धनंजय सिंह, विनय सिंह और 8-10 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

बांग्लादेश में हिंदूओं पर हमले पर केंद्र की चुप्पी पर विपक्ष ने खड़े किए सवाल

पटना (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को लेकर भारत में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में गंभीर चिंता जाहिर की जा रही है। इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की कथित चुप्पी को लेकर विपक्षी दलों ने सवाल खड़े कर कड़ा कूटनीतिक संदेश देने की मांग की है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदूओं पर हो रही हिंसा केवल एक अंतरिक मामला नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध क्षेत्रीय स्थिरता और मानवाधिकारों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने केंद्र सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाकर कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और भारत ने ही बांग्लादेश के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। इसके बाद भारत की



जिम्मेदारी बनती है कि वे इस तरह की घटनाओं पर स्पष्ट और मजबूत संदेश दे। राजद भारत ने ही बांग्लादेश के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। इसके बाद भारत की

सपा नेता का विवादित बयान, 2019 में पुलवामा आतंकी हमला भाजपा की साजिश

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के नेता सनातन पांडे ने विवादास्पद बयान देकर दावा किया है कि 2019 में पुलवामा आतंकी हमला भाजपा की साजिश थी, क्योंकि पार्टी अपने चुनावी वादे पूरे करने में नाकाम रही थी। सपा नेता पांडे ने कहा कि पुलवामा हमला, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हुए थे, किसी विदेशी साजिश का नतीजा नहीं था। उन्होंने कहा कि 2019 के चुनावों से पहले हुआ पुलवामा हमला बीजेपी में सहजिब शी 2014 में भाजपा ने दो करोड़ नौकरियों, किसानों की आय दोगुनी करने,

महंगाई कम करने और काला धन वापस लाने का वादा किया था। पांच साल में उन्होंने अपने किसी भी चुनावी वादे को पूरा नहीं किया। पांडे ने कहा कि उन्हें लगा कि उन्होंने झूठ बोला है, इसलिए पुलवामा (आतंकवादी हमला) उनकी साजिश का हिस्सा था। यह कोई विदेशी साजिश नहीं थी। आज तक भाजपा यह बताने में असमर्थ है कि आरक्षक कर्हा से आया। उनके पास विकास के एजेंडे नहीं हैं और वे संसद में गरीबी पर चर्चा नहीं कर सकते। वे नागरिकों की भावनाओं को भड़काकर सत्ता हासिल

घटनाएं क्यों बढ़ रही हैं। इसके पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव ने बांग्लादेश के मध्यमस्थ जिले में एक हिंदू कपड़ा कारखाने पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ ऐसी

वर्षीय बाजेंद्र बिस्वास की ड्यूटी के दौरान गोली मार दी गई थी। आरोप है कि उसी कारखाने में कार्यरत अंसार सदस्य नोमान मिया ने सरकारी बंदूक से वारदात की। राव ने कहा कि पिछले दो हफ्तों में अल्पसंख्यकों की यह तीसरी हत्या है, जो वहां बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को दिखाती है। उन्होंने इन घटनाओं को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी चिंता का विषय बताया। इतना ही नहीं भारत सरकार ने भी बांग्लादेश में हिंदू, ईसाई और बौद्ध अल्पसंख्यकों के खिलाफ बार-बार हो रही हिंसा पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और पड़ोसी देश में अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ जारी शत्रुता से चिंतित है।

‘गरीबों से भोजन छीनने’ केंद्र सरकार ने टीबी-जी राम जी कानून पास किया

-पंजाब के सीएम मान बोले- इस अधिनियम ने मनरेगा की आत्मा को नष्ट कर दिया



करना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल चुनावों से पहले जो हो रहा है, उस आप देख सकते हैं। क्या राष्ट्रीय चैनल राष्ट्र के हित में कुछ दिखा रहे हैं? वे एक विशेष समुदाय को निशाना बना रहे हैं।

बात दें कि 14 फरवरी, 2019 को आत्मघाती आतंकी हमले में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए। भारत सरकार का कहना है कि हमला पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) द्वारा किया गया था। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत ने 26 फरवरी, 2019 की सुबह खुफिया जानकारी के

आधार पर चलाए गए एक अभियान में बालाकोट स्थित जैश-ए-मोहम्मद के सबसे बड़े प्रशिक्षण शिविर पर हमला किया।

एचएएल के ध्रुव एनजी की पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी होने के साथ ही भारत की ताकत बढ़ी

बेंगलूर। बेंगलूर में एक बड़ा और गांवा पल हो रहा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के अत लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव-न्यू जनरेशन (एनजी) ने अपनी पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी कर ली। इससे भारत की हवाई ताकत और बढ़ गई है। यह उड़ान ध्रुव प्लेटफॉर्म को सिविल और निर्यात बाजारों में नई ताकत देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एचएएल की ओर से डिजाइन और निर्मित ध्रुव एनजी एक 5.5 टन वजन की, हल्का, टिवन-इंजन वाला बहु-उद्देशीय हेलीकॉप्टर है। यह मौजूदा ध्रुव प्लेटफॉर्म पर आधारित है, लेकिन इसमें सुरक्षा, प्रदर्शन, उड़ान की सुगमता और यात्रियों के आराम पर खास ध्यान रखा गया है। इसके साथ ही, भारतीय परिस्थितियों के लिए जरूरी ऊंचाई और गर्म मौसम में उड़ान की क्षमता बरकरार रखी गई है।

ध्रुव एनजी के केंद्र में दो शक्ति 1एच1सी इंजन लगे हैं। ये पूरी तरह स्वदेशी हैं। ये इंजन ज्यादा पावर देते हैं और देश में ही भेजेंसे और सपोर्ट की सुविधा उपलब्ध कराते हैं। एचएएल का कहना है कि शक्ति इंजनों के इस्तेमाल से आत्मनिर्भरता मजबूत होती है और सिविल ऑपरेटर्स के लिए लंबे समय तक चलने वाले खर्च कम हो जाते हैं। इस हेलीकॉप्टर में सिविल



सर्टिफाइड ग्लास कॉकपिट है, जो एएस4 मानकों पर खरा उतरता है। इसमें आधुनिक एवियोनिक्स और नेविगेशन सिस्टम लगे हैं, जो पायलट को बेहतर स्थिति जागरूकता देते हैं और उनका काम आसान बनाते हैं। ध्रुव एनजी में आम नागरिक भी सफर कर सकते हैं। इसमें सुरक्षा के लिए कई नए फीचर हैं। इसमें क्रैशवर्थी सीटें, सेल्फ-सीलिंग फ्यूल टैंक और टिवन-इंजन सेटअप शामिल हैं। ध्रुव एनजी में उड़ान की सुगमता पर विशेष ध्यान दिया गया है। एवॉल्यूटिव वाइब्रेशन कंट्रोल सिस्टम लगाए गए हैं। यह खास तौर पर वीआईपी ट्रांसपोर्ट और इमरजेंसी में डिस्कल सर्विसेज जैसे कामों के लिए फायदेमंद है। ध्रुव एनजी का

अधिकतम टेकऑफ वजन 5,500 किलोग्राम है। इसकी टॉप स्पीड करीब 285 किलोमीटर प्रति घंटा है और रेंज लगभग 630 किलोमीटर (20 मिनट रिजर्व के साथ)। यह तीन घंटे 40 मिनट तक उड़ सकता है और 6,000 मीटर की ऊंचाई तक जा सकता है। अरुंदनी पोलोडक्षमता करीब 1,000 किलोग्राम है। कैबिन का वॉल्यूम 7.33 क्यूबिक मीटर है और इसे कई सिविल भूमिकाओं के लिए आसानी से बदला जा सकता है। वीआईपी या वीवीआईपी ट्रांसपोर्ट के लिए 4 से 6 यात्रियों की सीटिंग, कन्यूटर लेआउट में 14 यात्रियों तक की जागह या एयर एम्बुलेंस के लिए चार स्ट्रेचर, एक डॉक्टर और अटेंडेंट की व्यवस्था की जा सकती है।

भारतीय सेना ने गोला-बारूद की आपूर्ति में 90 प्रतिशत से अधिक आत्मनिर्भरता हासिल की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने गोला-बारूद की आपूर्ति में 90 प्रतिशत से अधिक आत्मनिर्भरता हासिल कर महत्वपूर्ण प्रणालियों और विदेशी आयात पर निर्भर रही। इससे वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाओं में किसी भी तरह के व्यवधान की स्थिति में जोखिम बढ़ जाता था। हाल के अंतरराष्ट्रीय संघर्षों ने बताया है कि वे देश जो परेल्सु सतह पर गोला-बारूद का सतत उत्पादन कर सकते हैं, वही लंबे समय तक अपनी सैन्य गति और प्रभावशीलता बनाए रख पाते हैं। इस अनुभव से सीख लेकर भारतीय सेना ने गोला-बारूद उत्पादन में आत्मनिर्भरता को अपनी तैयारी की केंद्रीय रणनीति बनाया है। आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड' पलट के अनुसार सेना ने

स्वदेशीकरण की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। सेना के अनुसार, वह वर्तमान में करीब 200 प्रकार के गोला-बारूद और प्रिसीजन म्यूनिशन का उपयोग करती है। नीतिगत सुधारों, सरल खरीद प्रक्रियाओं और रक्षा उद्योग के साथ मजबूत सहयोग के द्वारा इसमें से 90 प्रतिशत से अधिक का सफलतापूर्वक स्वदेशीकरण हो चुका है। इसका सीधा लाभ है कि अब इन गोला-बारूद की आपूर्ति देश के भीतर से ही सुनिश्चित हो रही है।

बोते चार-पांच वर्षों में खरीद प्रक्रियाओं का पुनर्गठन किया है, ताकि प्रतिस्पर्धा बढ़े और आपूर्ति के कई विकल्प उपलब्ध हों। 'मेक इन इंडिया' के तहत करीब 16,000 करोड़ रुपये का आदेश-पैकेज तैयार किया गया है, जबकि पिछले तीन वर्षों में करीब 26,000 करोड़ रुपये के गोला-बारूद के ऑर्डर स्वदेशी निर्माताओं को दिए गए हैं। अनेक श्रेणियों में बहु-स्रोत उपलब्ध होने से आपूर्ति-श्रृंखला और अधिक मजबूत हुई है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, अगला चरण इस उपलब्धि को और सुदृढ़ करने का है। विशेष रूप से प्रोपेलेंट, फ्यूज और अन्य कच्चे माल की परेल्सु आपूर्ति-श्रृंखला को मजबूत करने, निर्माण अवसरचना के आधुनिकीकरण, तकनीक हस्तांतरण में तेजी और कठोर गुणवत्ता मानकों के पालन पर जोर दिया जा रहा है।

